शुक्रवार, 17 जुलाई 2026
आषाढ़, शु.प., तृतीया, विक्रमीय संवत् 2083
मूल्य Rs. 4, (कोलकाता Rs. 3)
वर्ष : 21, संख्या : 224, पृष्ठ-8
कोलकाता
RNI No. WBHIN/2005/16483
www.bharatmitranews.com

भारतमित्र

प्रथम प्रकाशन 1878

स्वास्थ्य राज्यमंत्री ने आधी रात को किया अस्पताल का औचक निरीक्षण

पेज-3

पी.वी. सिंधु ने दुनिया की 5वें नंबर की शटलर हो हराया, क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

पेज-8

BHARATMITRA, KOLKATA, FRIDAY, 17 JULY 2026

पुरी रथ यात्रा में श्रद्धालु की मौत

भुवनेश्वर, एजेंसी । ओडिशा के पुरी में गुरुवार को रथ यात्रा उत्सव के दौरान कथित भगदड़ जैसी स्थिति में दम घुटने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। हालांकि, अभी तक श्रद्धालु की मौत या भगदड़ जैसी स्थिति की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुरी में घटनास्थल पर मौजूद एक श्रद्धालु ने बताया कि मरीचि कुंड चौक के पास या तो बाहरी घेरे की रस्सी की बैरिकेड गिर गई, या कुछ लोग अपना संतुलन खो बैठे और सड़क पर गिर गए। उन्होंने बताया

200 से ज्यादा अस्पताल में भर्ती

कि उन्होंने लगभग 40 से 50 लोगों को एक-दूसरे के ऊपर गिरते देखा, जिससे कई श्रद्धालु घायल हो गए और चार से पांच को गंभीर चोटें आई हैं। उन्होंने आगे बताया कि उन्होंने लगभग 20 लोगों को बचाया और उन्हें एम्बुलेंस से अस्पताल पहुंचाया, और अब उन्हें पता चला है कि एक बुजुर्ग व्यक्ति की मौत हो गई है। इसके अलावा, सूत्रों ने यह भी दावा किया कि गुरुवार को श्रद्धालुओं की अभूतपूर्व भीड़ और लगातार बारिश के बीच घुटन और अलग-अलग चोटों की शिकायत करने वाले लगभग 200 लोगों को अब तक पुरी के अस्पतालों और अस्थायी स्वास्थ्य सुविधाओं में भर्ती कराया गया है।गुरुवार को पवित्र तटीय शहर पुरी में भव्य वार्षिक रथ यात्रा देखने के लिए लाखों लोग एकत्रित हुए। विश्व प्रसिद्ध वार्षिक रथ यात्रा उत्सव की शुरूआत निर्धारित समय से पहले ही दिन में दिव्य भाई-बहनों और अन्य देवी-देवताओं के लिए 'पहंडी बीजे' अनुष्ठान के साथ हुई।'पहंडी बीजे' अनुष्ठान के दौरान, पवित्र भाई-बहनों और अन्य देवी-देवताओं को 12वीं शताब्दी के श्री जगन्नाथ मंदिर से उनके संबंधित सजे-धजे रथों तक भव्य जुलूस में ले जाया गया। इस जुलूस में घंटा, कहली और तेलिंगी बाजा जैसे पारंपरिक वाद्ययंत्रों की मनमोहक और दिव्य ध्वनि गूंज रही थी। पुजारियों ने पवित्र वैदिक मंत्रों का जाप किया और पारंपरिक ओडिसी कलाकारों ने अपने मनमोहक नृत्य प्रदर्शनों से देवताओं का उनके जन्मस्थान माने जाने वाले गुंडिचा मंदिर में नौ दिवसीय प्रवास के लिए स्वागत किया। हालांकि 'पहंडी बीजे' की रस्में निर्धारित समय से पहले शुरू हो गईं, लेकिन गुरुवार को उनके समापन में दो घंटे से अधिक की देरी हुई।

भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को पीएम ने किया रवाना

ईडी ने अवैध घुसपैठ मामले में बंगाल में की छापेमारी

कोलकाता, नि.सं.। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अवैध घुसपैठ के लिए फर्जी दस्तावेज तैयार करने वाले नेटवर्क और उससे जुड़े वित्तीय लेनदेन की जांच के तहत गुरुवार को पश्चिम बंगाल सहित देशभर के 13 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। बंगाल में ईडी ने कोलकाता, उत्तर व दक्षिण 24 परगना और मुर्शिदाबाद में छापेमारी की। जांच एजेंसी के अनुसार, प्रारंभिक जांच में ऐसे नेटवर्क के संकेत मिले हैं, जो कथित तौर पर मोटी रकम लेकर फर्जी आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, पैन कार्ड और ई-श्रम कार्ड जैसे दस्तावेज तैयार कराता था। इन दस्तावेजों के आधार पर लोगों को पश्चिम बंगाल से देश के विभिन्न राज्यों, विशेषकर कर्नाटक, तमिलनाडु, पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश भेजे जाने का संदेह है।

सूत्रों के मुताबिक, उत्तर प्रदेश पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) मानव तस्करी की जांच के दौरान इस नेटवर्क तक पहुंची। जांच में कोलकाता, उत्तर 24 परगना और मुर्शिदाबाद में कथित फर्जी दस्तावेज तैयार करने वाले गिरोह के सक्रिय होने के संकेत मिले, जिसके बाद वित्तीय पहलुओं की जांच ईडी ने अपने हाथ में ली। ईडी की प्रारंभिक जांच में कुछ संस्थाओं के नाम भी सामने आने का दावा किया गया है। एजेंसी को संदेह है कि कुछ मामलों में स्वयंसेवी संस्थाओं की आड़ में दस्तावेज तैयार करने और बड़ी मात्रा में धन के लेनदेन का नेटवर्क संचालित किया जा रहा था।

तृणमूल को बड़ा झटका, पूर्व मंत्री मनीष गुप्ता ने छोड़ी पार्टी

कोलकाता, (नि.सं.)। पश्चिम बंगाल में 21 जुलाई के शहीद दिवस से पहले तृणमूल कांग्रेस को एक और बड़ा झटका लगा है। ममता बनर्जी सरकार में राज्य के मंत्री रह चुके पूर्व नौकरशाह और पूर्व मंत्री मनीष गुप्ता ने पार्टी छोड़ने का ऐलान कर दिया है। उन्होंने कहा कि अब तृणमूल में उनके लिए कुछ भी करने को नहीं बचा है, इसलिए उन्होंने पार्टी छोड़ने का निर्णय लिया है। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि वह जल्द ही पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी को अपना औपचारिक इस्तीफा भेज देंगे।

मनीष गुप्ता ने गुरुवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि इस पार्टी में अब मेरे लिए कुछ भी करने को नहीं है। इसलिए बेवजह समय बर्बाद करने के बजाय मैंने पार्टी छोड़ने का फैसला किया है। बाद में मैं ममता बनर्जी को अपना इस्तीफा भेज दूंगा।

मनीष गुप्ता का नाम 1993 के 21 जुलाई महाकरण (राइटर्स बिल्डिंग) अभियान के दौरान हुए पुलिस गोलीकांड को लेकर लंबे समय तक विवादों में रहा था। उस समय वह राज्य के गृह सचिव थे और गोलीबारी की कार्रवाई को लेकर उन पर लगातार राजनीतिक आरोप लगते रहे। इसके बावजूद 2011 में सत्ता परिवर्तन के बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उन्हें राजनीति में लाकर विधायक बनाया और अपनी सरकार में मंत्री पद की जिम्मेदारी भी सौंपी थी।

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, 2026 के विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस के खराब प्रदर्शन के बाद पार्टी लगातार आंतरिक संकट का सामना कर रही है। हाल ही में काकली घोष दस्तिदार के नेतृत्व में 20 सांसद तृणमूल छोड़कर एनसीपीआई में शामिल हो गए। इसके बाद काकली घोष दस्तिदार ने यह सवाल भी उठाया था कि 1993 के गोलीकांड से जुड़े विवादों के बावजूद ममता बनर्जी ने मनीष गुप्ता को बिना किसी जांच के पार्टी में क्यों शामिल किया था? उन्होंने मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी को पत्र लिखकर मनीष गुप्ता की भूमिका की नए सिरे से जांच कराने की मांग भी की थी।

इसी बीच, 21 जुलाई के शहीद दिवस से ठीक पहले मनीष गुप्ता के पार्टी छोड़ने को राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

पार्टी छोड़ने की घोषणा के साथ मनीष गुप्ता ने मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की खुलकर प्रशंसा भी की। उन्होंने कहा कि वर्तमान मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी एक अत्यंत सक्षम प्रशासक हैं। मुझे उम्मीद है कि वह पश्चिम बंगाल को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे।

हालांकि, क्या वह अब भारतीय जनता पार्टी में शामिल होंगे, इस सवाल पर मनीष गुप्ता ने कोई टिप्पणी नहीं की। उनके अगले राजनीतिक कदम पर अब सभी की नजरें टिकी हैं।

राज्यसभा से कोयल मलिक ने दिया इस्तीफा

कोलकाता, नि.सं । तृणमूल कांग्रेस को गुरुवार को एक और बड़ा झटका लगा है। पार्टी की राज्यसभा सदस्य और लोकप्रिय बंगाली अभिनेत्री रुक्मिणी मलिक (कोयल मलिक) ने राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उनके इस्तीफे के बाद पश्चिम बंगाल की राजनीति में नई चचाएं शुरू हो गई हैं। कोयल मलिक ने 6 अप्रैल 2026 को पश्चिम बंगाल का प्रतिनिधित्व करते हुए राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ली थी। उन्हें तृणमूल कांग्रेस ने राज्यसभा के लिए नामित किया था, हालांकि अब उनके अचानक इस्तीफे को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और टीएमसी के लिए एक बड़े राजनीतिक झटके के रूप में देखा जा रहा है।राजनीति में आने से पहले कोयल मलिक बंगाली फिल्म उद्योग का एक बेहद चर्चित और लोकप्रिय चेहरा रही हैं। उन्हें टॉलीवुड की 'टॉली-क्वीन' भी कहा जाता है। पिछले दो दशकों से वह बंगाली सिनेमा की सबसे सफल अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं।

शुभेन्दु ने किया इस्कॉन की रथयात्रा का शुभारंभ

कोलकाता, नि.सं.। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने गुरुवार को कोलकाता स्थित इस्कॉन की रथयात्रा का शुभारंभ स्वर्ण झाड़ू से प्रतीकात्मक रूप से मार्ग बुहार कर किया। इसके बाद उन्होंने रथ की रस्सी खींची तथा भगवान जगन्नाथ के रथ की आरती कर साष्टांग प्रणाम किया।

मुख्यमंत्री दोपहर लगभग 12 बजे इस्कॉन मंदिर पहुंचे। सबसे पहले उन्होंने भगवान जगन्नाथ के विग्रह के समक्ष नतमस्तक होकर पूजा-अर्चना की और आरती उतारी। इसके बाद वे श्रील प्रभुपाद के कक्ष में गए, जहां साष्टांग प्रणाम करने के बाद पूरे कक्ष का अवलोकन किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कक्ष को विरासत (हेरिटेज) का दर्जा दिलाने के लिए केंद्र सरकार से अनुरोध किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक मुख्यमंत्री होने के साथ-साथ राष्ट्रवादी और सनातन विचारधारा में विश्वास रखने वाले व्यक्ति के रूप में इस्कॉन की रथयात्रा में शामिल होना उनके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि राज्य का विकास भी होगा और हमारी संस्कृति को भी समान रूप से आगे बढ़ाया जाएगा।

मंदिर में पूजा के बाद मुख्यमंत्री रथ के पास पहुंचे, भगवान के विग्रह पर पुष्पमाला अर्पित की और कहा, ₹आज का दिन भक्तों का दिन है।₹ उपस्थित श्रद्धालुओं के अनुरोध पर उन्होंने गौड़ीय भक्ति संगीत की कुछ पंक्तियां भी गाईं। इसके बाद उन्होंने स्वर्ण झाड़ू से रथ मार्ग की प्रतीकात्मक सफाई कर रथयात्रा का औपचारिक शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री ने इस्कॉन की सराहना करते हुए मिड-डे मील योजना का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा, ₹राज्य में मिड-डे मील किचन स्थापित किए जा रहे हैं, लेकिन इस्कॉन लंबे समय से यह कार्य कर रहा है। देश के 22 बड़े शहरों में स्कूलों के मिड-डे मील की जिम्मेदारी इस्कॉन निभा रहा है।₹ उन्होंने कहा कि इस्कॉन द्वारा उपलब्ध कराया जाने वाला भोजन पौष्टिक होता है। साथ ही उन्होंने पिछले वर्षों में मिड-डे मील योजना में हुई कथित अनियमितताओं और भ्रष्टाचार का भी उल्लेख किया। उल्लेखनीय है कि रथयात्रा को लेकर राज्य सरकार नेइसबारकुछनईपहल की हैं। सरकार ने इस वर्ष राज्य की 60 रथयात्रा समितियों को पांच-पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने का निर्णय लिया है। इस प्रकार कुल तीन करोड़ रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की गई है। सरकार का कहना है कि इस सहायता से राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में पारंपरिक रथयात्राओं और उनसे जुड़े सांस्कृतिक आयोजनों को और अधिक व्यवस्थित एवं सुदृढ़ किया जा सकेगा।

मदरसा फंडिंग मामले में टीएमसी नेता के घर यूपी एटीएस का छापा

कोलकाता, नि.सं.। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के हासनाबाद थाना क्षेत्र के रामेश्वरपुर में गुरुवार सुबह उत्तर प्रदेश पुलिस की आतंकवाद निरोधी दस्ता (एटीएस) टीम ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता अब्दुल्ला गाजी के आवास पर छापेमारी की। गुरुवार को हुई यह कार्रवाई मदरसा निर्माण के नाम पर विदेश से धनराशि प्राप्त करने और उसके कथित दुरुपयोग की जांच के सिलसिले में की गई है। आरोप है कि मदरसा निर्माण के लिए विदेशी स्रोतों से करोड़ों रुपये अब्दुल्ला गाजी के खाते में आए थे। इस धनराशि के उपयोग, वित्तीय लेनदेन और अनुदान के स्रोत को लेकर कई सवाल उठे हैं। इन्हीं पहलुओं की जांच के लिए एटीएस ने तलाशी अभियान चलाया और आरोपित नेता से पूछताछ की।

सूत्रों के मुताबिक, इसी मामले में दो वर्ष पहले भी उत्तर प्रदेश एटीएस ने अब्दुल्ला गाजी को गिरफ्तार किया था। मामला अभी भी जांच के अधीन है। हाल ही में मिले नए इनपुट के आधार पर दोबारा कार्रवाई की है। छापेमारी के दौरान आवास के बाहर सुरक्षा बल के जवान तैनात रहे।

बात पते की... श्याम जगोता

18-19 जुलाई को कोलकाता में रहेंगे शाह

कोलकाता, नि.सं। पश्चिम बंगाल की सरगर्मी और हालिया राजनीतिक-सामाजिक घटनाक्रमों के बीच देश की आंतरिक सुरक्षा को लेकर एक बहुत बड़ी खबर सामने आ रही है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह आगामी 18 और 19 जुलाई को पश्चिम बंगाल के दो दिवसीय दौरे पर कोलकाता आ रहे हैं। गृहमंत्री का यह दौरा राज्य की वर्तमान परिस्थितियों के लिहाज से बेहद संवेदनशील और महत्वपूर्ण माना जा रहा है। प्रशासनिक और राजनीतिक गलियारों से मिली जानकारी के अनुसार, गृह मंत्री अमित शाह के इस दौरे का मुख्य फोकस बंगाल की आंतरिक सुरक्षा पर रहेगा।कोलकाता पहुंचने के बाद गृह मंत्री राज्य के शीर्ष प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस

महानिदेशक (डीजीपी) और केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक आपातकालीन उच्च स्तरीय बैठक करेंगे। हाल के दिनों में बंगाल के विभिन्न हिस्सों में सामने आई हिंसक घटनाओं, सीमा पार से होने वाली गतिविधियों और राज्य की कानून-व्यवस्था की वर्तमान स्थिति पर गहन समीक्षा की जाएगी। गृह मंत्रालय इस बैठक के जरिए सुरक्षा का एक नया 'ब्लूप्रिंट' तैयार कर सकता है। 19 जुलाई को सुबह 11 बजे से दोपहर 1:15 बजे तक अमित शाह पश्चिम बंगाल की कानून-व्यवस्था को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक करेंगे। यह बैठक अलीपुर स्थित सौजन्य गेस्ट हाउस में आयोजित होगी। दोपहर 2 बजे अमित शाह राष्ट्रीय पुस्तकालय (नेशनल लाइब्रेरी) पहुंचेंगे, जहां नव-निर्मित वर्ड म्यूजियम का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद केंद्रीय गृह मंत्री बिश्व बांग्ला कन्वेंशन सेंटर पहुंचेंगे, जहां अमूल बंगाल डेयरी के कर्ड प्लांट की आधा-रशिला रखेंगे। इस परियोजना को राज्य के डेयरी उद्योग और दुग्ध प्रसंस्करण क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कार्यक्रमों के समापन के बाद अमित शाह शाम को कोलकाता एयरपोर्ट से भारतीय वायुसेना के विशेष विमान द्वारा नई दिल्ली के लिए रवाना होंगे।

सूत्रों के अनुसार, गृह मंत्री अमित शाह कोलकाता में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के साथ वन-टू-वन बैठक कर सकते हैं। इस बैठक में राज्य के विकास कार्यों, केंद्र-राज्य समन्वय और प्रशासनिक प्राथमिकताओं पर चर्चा होने की संभावना है। शाह 18 या 19 जुलाई की शाम को प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ नेताओं और नवनिर्वाचित विधायकों के साथ संगठनात्मक बैठक करेंगे, जिसमें भविष्य की राजनीतिक रणनीति और जमीनी तैयारियों का जायजा लिया जाएगा।

प्रथम प्रकाशन 1878 भारतमित्र

मूसलाधार बारिश से जलमग्न हुआ सिलीगुड़ी, एनएच-10 पर भूस्खलन

सिलीगुड़ी । उत्तर बंगाल में गुरुवार सुबह हुई मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया। करीब एक घंटे तक हुई तेज बारिश से सिलीगुड़ी के कई इलाके जलमग्न हो गए, जबकि दार्जिलिंग, कर्सियांग और कालिम्पोंग के पर्वतीय क्षेत्रों में भी भारी वर्षा दर्ज की गई। लगातार बारिश के कारण सिक्किम को जोड़ने वाले 10 नंबर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-10) पर भूस्खलन होने से यातायात प्रभावित हो गया। मौसम विभाग के अनुसार, गुरुवार के लिए बारिश का पूर्वानुमान तो था, लेकिन भारी वर्षा की चेतावनी जारी नहीं की गई थी। इसके बावजूद सुबह अचानक तेज बारिश शुरू हो गई। लगभग एक घंटे में सिलीगुड़ी में करीब 50 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई, जिससे हैदरपारा, चंपासारी

तथा महानंदा नदी के दोनों किनारों से लगे वार्ड संख्या एक, चार और पांच में जलभराव हो गया। हालांकि दोपहर तक अधिकांश क्षेत्रों से पानी निकलने के बाद स्थिति काफी सामान्य हो गई। पर्वतीय क्षेत्रों में भी बारिश का असर व्यापक रहा। कर्सियांग में 110 मिलीमीटर और कालिम्पोंग में 57 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। भारी बारिश के बाद पागलाझोरा क्षेत्र का जलप्रवाह अचानक तेज हो गया। एहतियात के तौर पर 110 नंबर राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों की आवाजाही नियंत्रित कर दी गई। स्थानीय लोगों के अनुसार पिछले कुछ वर्षों से शांत रहे पागलाझोरा का जलस्तर अचानक बढ़ने से लोगों में चिंता का माहौल है। इस बीच सिक्किम के बरदांग क्षेत्र में एनएच-10 पर भूस्खलन होने से सड़क पर यातायात बाधित हो गया। प्रशासन की ओर से मलबा हटाने का काम जारी है। इससे पहले तीस्ता नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण इस मार्ग को अस्थायी रूप से बंद किया गया था। जलस्तर कम होने पर सड़क खोली गई, लेकिन बाद में सेवक स्थित कोरोनेशन पुल के पास फिर भूस्खलन होने से मार्ग दोबारा बंद करना पड़ा।

उल्लेखनीय है कि पिछले र-विवार रात हुई भारी बारिश के बाद भी पहाड़ी क्षेत्रों में कई सड़कें जलमग्न हो गई थी, जिससे वैकल्पिक मार्गों पर लंबा जाम लग गया था। तीस्ता बाजार से दार्जिलिंग जाने वाली पेशक रोड पानी में डूब गई थी। गैलखोला क्षेत्र में तेज जलधारा से राष्ट्रीय राजमार्ग को नुकसान पहुंचा था, जबकि कालिम्पोंग में रॉकविल स्कूल के पास भूस्खलन से दो मकान क्षतिग्रस्त हो गए थे। उस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई थी।

रथयात्रा पर कामारपुकुर में जीवंत हुई सदियों पुरानी परंपरा

हुगली । रथयात्रा के पावन अवसर पर गुरुवार को हुगली जिले के गोघाट स्थित कामारपुकुर में श्रीरामकृष्ण परमहंस के परिवार से जुड़ी एक ऐतिहासिक परंपरा एक बार फिर जीवंत हो उठी। कामारपुकुर रामकृष्ण मठ के समीप स्थित ऐतिहासिक लक्ष्मीजला खेत में मठ के महराज और साधु-संतों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार सामूहिक रूप से धान की रोपाई कर इस विरासत का निर्वहन किया। कामारपुकुर रामकृष्ण मठ एवं मिशन के अध्यक्ष स्वामी लोकोत्तरानंदजी महाराज ने बताया कि श्रीरामकृष्ण परमहंस के पिता खुदीराम चट्टोपाध्याय जब अपने पैतृक गांव से कामारपुकुर आए थे, तब उनके घनिष्ठ मित्र सुखलाल गोस्वामी ने उन्हें लक्ष्मीजला में लगभग दो बीघा भूमि दान में दी थी। इसी भूमि से परिवार की कृषि आधारित आजीविका की शुरूआत हुई। उन्होंने बताया कि परंपरा के

अनुसार खुदीराम चट्टोपाध्याय हर वर्ष रथयात्रा के दिन अपने आराध्य भगवान रघुवीर का स्मरण कर स्वयं सबसे पहले धान की पौध रोपते थे। इसके बाद गांव के किसान पूरे खेत में धान की रोपाई करते थे। इसी खेत की फसल से परिवार का वर्षभर का भरण-पोषण होता था। खुदीराम चट्टोपाध्याय के निधन के बाद इस परंपरा को कामारपुकुर रामकृष्ण मठ ने आगे बढ़ाया। तभी से प्रत्येक वर्ष रथयात्रा के दिन मठ के महराज और साधु-संत प्रतीकात्मक रूप से धान रोपकर उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

जलपाईगुड़ी में हाउसिंग फॉर ऑल योजना में गड़बड़ी

632 लाभार्थियों पर होगी कार्रवाई

जलपाईगुड़ी । जिले में ह्यहाउसिंग फॉर ऑलह्ल योजना को लेकर गंभीर अनियमितताओं का मामला गुरुवार को सामने आया है। आरोप है कि कई लाभार्थियों ने सरकारी अनुदान लेने के बावजूद घर निर्माण शुरू नहीं किया, जबकि कुछ लोगों ने फर्जी तरीके से खाली जमीन दिखाकर पुराने मकानों की छत पर ही निर्माण कर लिया। नगरपालिका सूत्रों के अनुसार, 2015-16 से 2021-22 तक कुल 8,038 लोगों को घर बनाने के लिए आर्थिक सहायता दी गई। लेकिन इनमें से 632 लाभार्थियों (लगभग 8%) ने पहली किस्त मिलने के बाद भी निर्माण कार्य शुरू नहीं किया। अनियमितता का आंकड़ा 2015-

16 में संख्या सिर्फ सात थी, जो 2018-19 में बढ़कर 240 और 2021-22 में 202 तक पहुंच गई। मामला सामने आने के बाद नगरपालिका बोर्ड बैठक में इस पर चर्चा हुई और संबंधित लोगों को नोटिस जारी किए गए। कुछ को बुलाकर सख्त चेतावनी भी दी गई, लेकिन ज्यादातर लाभार्थियों ने कोई कदम नहीं उठाया। नियम के अनुसार, जिस जमीन के दस्तावेज दिखाकर अनुदान लिया गया है, उसी पर घर बनाना अनिवार्य है। लेकिन कई लोग इसका उल्लंघन कर रहे हैं। नगरपालिका के चेयरमैन सैकत चट्टोपाध्याय ने सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि जो लोग अब भी काम शुरू नहीं करेंगे, उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, जियो-टैगिंग में गड़बड़ी पाए जाने पर अगली किस्त रोक दी जाएगी और जरूरत पड़ने पर सरकारी पैसा भी वापस लिया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सरकारी योजना का दुरुपयोग करने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

खामारगाछी में रथयात्रा महोत्सव का शुभारंभ, मंत्री सुमना सरकार ने किया उदघाटन

हुगली । हुगली जिले के बलागढ़ विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत खामारगाछी में गुरुवार को श्रद्धा और उल्लास के साथ पवित्र रथयात्रा महोत्सव का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर पश्चिम बंगाल सरकार की मंत्री सुमना सरकार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। मंत्री सुमना सरकार ने वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक विधि-विधान के बीच भगवान जगन्नाथ की पूजा-अर्चना कर रथयात्रा का विधिवत उद्घाटन किया। उन्होंने राज्य के सभी लोगों के सुख, शांति और समृद्धि की कामना करते हुए भगवान जगन्नाथ से आशीर्वाद मांगा। इस अवसर पर मंत्री ने कहा, ₹भगवान जगन्नाथ की कृपा से सभी के जीवन में

सुख, शांति और समृद्धि का वास हो। रथयात्रा के इस पावन अवसर पर मैं राज्यवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं।

रथयात्रा के अवसर पर खामारगाछी में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। बड़ी संख्या में श्रद्धालु और स्थानीय लोग रथयात्रा में शामिल हुए। पूरे क्षेत्र में धार्मिक आस्था, सामाजिक सौहार्द और उत्साह का वातावरण बना रहा। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों तथा बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लिया। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी रथयात्रा महोत्सव धार्मिक परंपरा और सामाजिक एकता का संदेश लेकर आयोजित किया गया।

दांतन के आमरदा में पुलिस का छापा, भारी मात्रा में अवैध मदिरा जब्त

मेदिनीपुर । पश्चिम मेदिनीपुर जिले के दांतन-दो विकासखंड के आमरदा क्षेत्र में अवैध शराब का-रोबार के विरुद्ध चलाए गए अभियान में पुलिस ने भारी मात्रा में देशी एवं विदेशी शराब जब्त की है। यह कार्रवाई बेलदा थाना के अंतर्गत जोरागेड़िया पुलिस चौकी की ओर से की गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बुधवार रात गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने आमरदा क्षेत्र में छापामारी अभियान चलाया। इस दौरान अवैध रूप से भंडारित बड़ी मात्रा में देशी एवं विदेशी शराब बरामद कर जब्त की गई। हालांकि, इस मामले में किसी की गिरफ्तारी हुई है अथवा नहीं, इसे लेकर पुलिस की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।

सरकारी प्रतिबंध के बावजूद अवैध बालू खनन जारी

कृषि मंत्री दूधकुमार मंडल खुद सड़क पर उतरे

बीरभूम । सरकारी प्रतिबंध के बावजूद अजय नदी से कथित अवैध बालू खनन और परिवहन जारी रहने के आरोपों के बीच पश्चिम बंगाल के कृषि मंत्री एवं मयूरेश्वर के विधायक दूधकुमार मंडल गुरुवार को स्वयं कार्रवाई के लिए सड़क पर उतर आए। उन्होंने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर बीरभूम की राज्य राजमार्ग-11 पर कई बालू लदे ट्रकों को रोक दिया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि अजय नदी से लंबे समय से अवैध रूप से बालू निकाला जा रहा है। इस संबंध में कई बार पुलिस और प्रशासन से शिकायत की गई, लेकिन स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। प्रशासन ने मानसून के दौरान संभावित बाढ़ के खतरे को देखते हुए 15 जुलाई से बालू खनन पर रोक लगाने का निर्देश दिया था। इसके बावजूद कथित रूप से अवैध परिवहन जारी रहने की शि-ाकायतें सामने आईं। इन्हीं शिकायतों के बाद गुरुवार को मंत्री दूधकुमार मंडल स्वयं स्थानीय लोगों के साथ सड़क पर पहुंचे और कई संदिग्ध बालू लदे वाहनों की जांच कराई। आरोप है कि एक डंपर को रोककर मयूरेश्वर थाना पुलिस के हवाले भी किया गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, डंपर मालिक के खिलाफ कानून के तहत आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई ट्रक निर्धारित सीमा से अधिक बालू लेकर चल रहे थे। कुछ वाहनों पर नंबर प्लेट नहीं थी, जबकि कई नंबर प्लेटों के अंक जानबूझकर धुंधले कर दिए गए थे। कुछ वाहनों के पास वैध दस्तावेज और बालू परिवहन की रसीद भी नहीं थी।

स्थानीय निवासी सव्यसाची मंडल ने दावा किया कि अभियान के दौरान 10 से 15 बालू लदे वाहनों को रोका गया। उन्होंने आरोप लगाया कि कार्रवाई की सूचना पाकर कई अन्य वाहन अपना मार्ग बदलकर वहां से निकल गए। घटना के बाद क्षेत्र में अवैध बालू खनन और परिवहन को लेकर प्रशासन की कार्रवाई तथा निगरानी पर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं।

सिलीगुड़ी में भव्य रथयात्रा, जय जगन्नाथ से गूंजा शहर

सिलीगुड़ी । शहर में गुरुवार को इस्कॉन मंदिर की ओर से 37वीं भव्य रथयात्रा का आयोजन किया गया। ह्यजय जगन्नाथह्ल के जयघोष और भक्ति संगीत के बीच पूरा शहर आध्यात्मिक माहौल में डूबा नजर आया।

सिलीगुड़ी इस्कॉन द्वारा आयोजित इस रथयात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। यह उत्सव विश्व प्रसिद्ध रथयात्रा की परंपरा का हिस्सा है, जिसे दुनिया के लगभग 140 देशों में मनाया जाता है। इस कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल विधानसभा के स्पीकर रथींद्रनाथ बसु, फुलबाड़ी-डाबग्राम की भाजपा विधायक शिखा चटर्जी और दार्जिलिंग के जिलाधिकारी हरीशंकर पनिक्कर समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। पूरे आयोजन के दौरान कीर्तन, धार्मिक अनुष्ठान और भक्ति संगीत से माहौल भक्तिमय बना रहा। रथयात्रा को लेकर शहर में उत्साह और आस्था का अनोखा संगम देखने को मिला।

खड़गपुर में माथुर वैश्य समाज का स्वास्थ्य जांच शिविर संपन्न

खड़गपुर । माथुर वैश्य महासभा के तत्वावधान तथा पूर्वांचल मंडल के संरक्षण में माथुर वैश्य शाखा सभा, खड़गपुर एवं माथुर वैश्य महिला मंडल के नेतृत्व में गुरुवार को गोल बाजार स्थित श्रीराम मंदिर परिसर में रक्तदान शि-विर एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर मानव सेवा का संदेश दिया।

शिविर के दौरान स्वैच्छिक रक्तदान के साथ-साथ निःशुल्क स्वास्थ्य एवं दंत जांच शिविर का भी आयोजन किया गया। उपस्थित वक्ताओं ने रक्तदान को महादान बताते हुए कहा कि एक व्यक्ति द्वारा किया गया रक्तदान अनेक जरूरतमंद लोगों के जीवन को बचाने में सहायक सिद्ध होता है। उन्होंने रक्तदाताओं की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए समाज के अधिकाधिक लोगों से नियमित रूप से रक्तदान करने का आह्वान किया।

रथयात्रा के लिए दीघा-हावड़ा के बीच चलेगी विशेष लोकल ट्रेन

कोलकाता । दीघा में आयोजित होने वाले भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा के अवसर पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रेलवे ने दीघा-हावड़ा के बीच विशेष लोकल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है।

रेलवे की ओर से 16 जुलाई से 26 जुलाई तक दीघा-हावड़ा लोकल विशेष ट्रेन चलाने की अधिसूचना जारी की गई है। दीघा अब केवल समुद्री पर्यटन केंद्र ही नहीं, बल्कि जगन्नाथ मंदिर के कारण भी प्रमुख धार्मिक आकर्षण बन चुका है।

रथयात्रा के दौरान यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का समागम होता है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पांशकुड़ा-हल्दिया-दिघा साउथ ईस्टर्न रेलवे पैसेंजर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने रेलवे से विशेष ट्रेन चलाने की मांग की थी। रेलवे द्वारा इस मांग को स्वीकार किए जाने पर संगठन तथा नित्य यात्रियों में उल्लास है।

संगठन के सामान्य सचिव स-रोज कुमार ने कहा कि दीघा के जगन्नाथ मंदिर में रथदर्शन के लिए जिले के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग रेलमार्ग से पहुंचते हैं।

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष ट्रेन चलाने का अनुरोध किया गया था, जिसे स्वीकार करने पर संगठन रेलवे के प्रति आभार व्यक्त करता है।

सुप्रभात

17 जुलाई 2026, शुक्रवार , वर्ष मन्मथ (2083) आषाढ़, कृ.प., तृतिया सूर्योदय 06:17 ,सूर्यास्त 17. 23

प्रेम संबंध में पति की हत्या, पांच आरोपित गिरफ्तार

सिलीगुड़ी । बागडोगरा में सिर कटा शव मिलने के मामले में पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा किया है। इस हत्याकांड में अब तक पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें मृतक की पत्नी और उसका प्रेमी भी शामिल हैं। गुरुवार को बागडोगरा थाने की पुलिस ने घटना के कुछ किलोमीटर दूर फांसीदेवा इलाके से एक सिर बरामद किया। मिली जानकारी के अनुसार, अवैध संबंध के चलते पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर अपने पति की हत्या की साजिश रची। पहचान छिपाने के लिए हत्या के बाद शव का सिर धड़ से अलग कर दिया गया। बीते मंगलवार को हंसखोवा चाय बागान में चाय पत्ते तोड़ने के दौरान मजदूरों ने बिना सिर का शव देखा था। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए उत्तर बंगाल मेडिकल कॉलेज व अस्पताल भेज दिया।

जांच के दौरान पुलिस ने मृतक की पत्नी ममीना बेगम, उसके प्रेमी सुदीप पाल को गिरफ्तार किया इस-ाके अलावा तीन अन्य सहयोगियों–निताई पाल, बापी पाल तथा कौशिक नाथ को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, पत्नी का पिछले सात वर्षों से प्रेम संबंध था और इसी कारण पति को रास्ते से हटाने की योजना बनाई गई। आरोपित सुदीप पाल ने मोहम्मद इमाम को बिहार के किशनगंज से बागडोगरा बुलाया, जहां उसकी हत्या कर दी गई। घटना के कुछ किलोमीटर दूर फांसीदेवा इलाके से एक सिर बरामद हुआ है, पहचान की जांच की जा रही है। फिलहाल सभी आरोपितों को सिलीगुड़ी अदालत में आज (गुरुवार) पेश किया गया है। पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी है।

माफियाओं पर सख्ती, खड़गपुर में पुलिस निगरानी तंत्र होगा मजबूत

खड़गपुर । पश्चिम मेदिनीपुर जिला पुलिस ने खड़गपुर शहर में अपराध नियंत्रण और पुलिस निगरानी व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक नई पहल शुरू की है। जिला पुलिस अधीक्ष-ाक पापिया सुल्ताना ने बुधवार शाम खड़गपुर टाउन थाना में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में बताया कि टाउन थाना की सभी गश्ती गाड़ियों और मोबाइल वैन में जीपीएस प्रणाली लगाई जा रही है। फिलहाल इसे खड़गपुर शहर में पायलट परियोजना के रूप में प्रारंभ किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि विशेष रूप से रात के समय शहर में गश्त करने वाली पुलिस गाड़ियों में जीपीएस लगाया जाएगा, जिससे संबंधित वाहनों और ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों की गतिविधियों पर नजर रखी जा सकेगी। इस प्रणाली के माध्यम से थाना प्रभारी, पुलिस अधीक्षक तथा नियंत्रण कक्ष के अधिकारी वाहनों की स्थिति की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे और आवश्यकता पड़ने पर त्वरित निर्णय ले सकेंगे। भविष्य में जिले के अन्य थानों में भी इस व्यवस्था को लागू किया जाएगा। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि खड़गपुर एक समय रेल माफियाओं और असामाजिक तत्वों का गढ़ माना जाता था। वर्तमान में भी मारपीट, चोरी और छिनताई की घटनाएं सामने आती रहती हैं। इन घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस पूरी तरह प्रतिबद्ध है। हाल ही में खड़गपुर टाउन थाना के प्रभारी के रूप में नियुक्त अमित कुमार मित्र ने इस पहल को आगे बढ़ाने का प्रयास किया है। पुलिस अधीक्षक पापिया सुल्ताना ने बताया कि पिछले दो दिनों से चलाए गए अभियान में छह चोरी की मोटरसा-इकिल, एक टोटो तथा एक एलईडी टेलीविजन बरामद किया गया है। इस मामले में छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ कर अन्य चोरी की मोटरसाइकिलों की बरामदगी का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अवैध शराब, गांजा और मादक पदार्थों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी है। अब तक 28 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें कई छिनताई करने वाले अपराधी भी शामिल हैं। सभी प्रकार के अपराधियों के विरुद्ध पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि शहर के पुराने सीसीटीवी कैमरे खराब हो चुके हैं। इसलिए शीघ्र ही खड़गपुर नगर में नए सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि किसी भी स्थिति में माफियाराज को चलने नहीं दिया जाएगा। माफिया तत्वों को चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि या तो वे जेल में रहेंगे अथवा शहर से बाहर। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के निदेर्शानुसार फिलहाल कोई बेदखली अभियान नहीं चलाया जाएगा। हालांकि, यातायात व्यवस्था सुचारु रखने के लिए घाटाल, मेदिनीपुर कोतवाली क्षेत्र तथा खड़गपुर शहर में सड़क किनारे बैठे लोगों को पीछे हटाया जाएगा, ताकि जाम की स्थिति उत्पन्न न हो। पुलिस अधीक्षक ने यह भी कहा कि उल्टा रथ के बाद मोबाइल फोन पर बात करते हुए वाहन चलाने, बिना हेलमेट मोटरसाइकिल चलाने, एक मोटरसाइकिल पर तीन लोगों के

आज का राशिफल

मेष मामलों में बहुत ही धीरज से काम लेने की जरूरत है। कोई भी मौका कितना ही अच्छा क्यों न लगे।

तुला जोखिम उठाने के बजाय सोची-समझी नीति से आगे बढ़ना आपके लिए फायदेमंद रहेगा।

वृषभ आज आपकी सूझबूझ पैसों को सही तरीके से संभालने में आपकी मदद करेगी।

वृश्चिक वादे करने के बजाय आर्थिक रणनीतियों को दोबारा परखने के लिए बहुत ही अनुकूल दिन है।

मिथुन आज पैसों के हर लेन-देन में अतिरिक्त सावधानी बरतने का संकेत देती है।

धनु कामों से पूरी तरह दूर रहें और अपना पूरा ध्यान अपनी बचत को मजबूत करने पर लगाएं।

कर्क आज स्वभाव और बुद्धि के कारण आर्थिक मामलों को लेकर आपकी समझ को बहुत मजबूत बनाएगी।

मकर परिवार के पैसों से जुड़े मामलों में आज बहुत ही गहराई से जांच-पड़ताल करने की जरूरत है।

सिंह सुख-सुविधा की फालतू चीजों पर होने वाले खर्चों को रोकना बहुत जरूरी है।

कुंभ थोड़ी बढ़ोतरी हो सकती है, इसलिए एक सही बजट बनाकर चलना बहुत जरूरी रहेगा।

कन्या आज का दिन आपके आर्थिक प्रबंधन को और बेहतर बनाने में मदद करेगा।

मीन आज आपके नए विचार भविष्य में धन कमाने के कुछ अच्छे रास्ते खोल सकते हैं।

स्वास्थ्य राज्यमंत्री ने आधी रात को किया अस्पताल का औचक निरीक्षण

कोलकाता, (नि.सं.)। पश्चिम बंगाल की स्वास्थ्य राज्यमंत्री सुमना सरकार ने बुधवार देर रात मेडिकल छात्रा के वेश में कल्याणी स्थित जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। चेहरे पर मास्क होने के कारण प्रारंभ में कोई उन्हें पहचान नहीं सका। इस दौरान उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं, चिकित्सकीय सेवाओं, स्वच्छता तथा छात्रावास की स्थिति का जायजा लिया और अनेक अनियमितताओं पर गहरी नाराजगी व्यक्त की।

बुधवार रात लगभग 12:40 बजे राज्यमंत्री बिना किसी बड़े सुरक्षा काफिले के अस्पताल पहुंचीं। उनके साथ सादे वस्त्रों में केवल एक महिला सुरक्षा कर्मी मौजूद थीं। मास्क लगाए होने के कारण अस्पताल कर्मी उन्हें सामान्य छात्रा समझते रहे। इस अवसर का लाभ उठाते हुए उन्होंने आपातकालीन विभाग की वास्तविक स्थिति का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान राज्यमंत्री ने पाया कि आपातकालीन विभाग में कोई वरिष्ठ चिकित्सक उपस्थित नहीं था। इस पर उन्होंने असंतोष व्यक्त किया। बाद में जब उन्होंने मास्क हटाया तो चिकित्सकों तथा स्वास्थ्यकर्मियों में हड़कंप मच गया।

राज्यमंत्री ने रोगियों के परिजनों की शिकायतों के संबंध में कनिष्ठ चिकित्सकों से भी बातचीत की। इसके बाद उन्होंने विभिन्न वार्डों का निरीक्षण किया और अस्पताल परिसर में व्यापक गंदगी तथा अव्यवस्था पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने अस्पताल परिसर में कुत्तों और बिल्लियों के खुलेआम घूमने के विषय को भी गंभीर बताते हुए कहा कि इसकी जानकारी स्वास्थ्य मंत्री शारद्वत मुखोपाध्याय तथा मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी को दी जाएगी।

सुमना सरकार ने कहा कि उनके पास लंबे समय से शिकायतें आ रही थीं कि रात 10 बजे के बाद अधिकांश समय अस्पताल में वरिष्ठ चिकित्सक उपस्थित नहीं रहते। इसी कारण उन्होंने औचक निरीक्षण करने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि अस्पताल के लगभग सभी विभागों में गंदगी व्याप्त है, जो अत्यंत निंदनीय है।

छद्मवेश में की तफ्तीश

राज्यमंत्री ने बताया कि जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल अस्पताल तथा उसके छात्रावासों के संबंध में लंबे समय से शिकायतें प्राप्त हो रही थीं। उन्होंने कहा कि राज्य में पहले घटित आरजी कर अस्पताल की घटना अत्यंत पीड़ादायक रही है और ऐसी परिस्थितियों की पुनरावृत्ति रोकने के लिए अस्पतालों की व्यवस्थाओं की समीक्षा आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इस औचक निरीक्षण की योजना को लेकर उनकी मुख्यमंत्री से भी चर्चा हुई थी और मुख्यमंत्री ने उन्हें महिला सुरक्षा कर्मी को साथ रखने की सलाह दी थी।

राज्यमंत्री ने कहा, स्मैं पूरी तरह छात्रा के रूप में तैयार होकर रात साढ़े बारह बजे अस्पताल में प्रवेश की थी। आपातकालीन विभाग में कोई वरिष्ठ चिकित्सक उपस्थित नहीं था और अधिकांश कार्य केवल कनिष्ठ चिकित्सकों के भरोसे चल रहा था।

विभिन्न वार्डों के निरीक्षण के बाद राज्यमंत्री अस्पताल के छात्रावास भी पहुंचीं। वहां की सुरक्षा व्यवस्था तथा स्वच्छता की स्थिति पर भी उन्होंने गहरी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि छात्रावास की स्थिति अत्यंत खराब है, वहां पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था नहीं है और परिसर पूरी तरह खुला हुआ है।

सुमना सरकार ने कहा कि छात्रावासों में गंदगी फैली हुई है। उन्होंने कहा कि वह चाहतीं तो मीडिया को भी साथ ले जा सकती थीं, किंतु छात्रों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए ऐसा नहीं किया। उन्होंने छात्रावास में मौजूद विद्यार्थियों को चेतावनी दी तथा अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

राज्यमंत्री ने छात्रावास प्रबंधन को निर्देश दिया कि वहां आने-जाने वाले प्रत्येक व्यक्ति का अभिलेख रखा जाए। साथ ही उन्होंने यह भी प्रश्न उठाया कि छात्र देर रात तक छात्रावास से बाहर कैसे रहते हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार अस्पताल और छात्रावास की वर्तमान अव्यवस्था को दूर करने के लिए आवश्यक कदम उठाएगी।

विधायक कौस्तव बागची को मिली बम और गोली मारने की धमकी, छह हिरासत में

कोलकाता, (नि.सं.)। पश्चिम बंगाल के बैरकपुर से भाजपा विधायक कौस्तव बागची ने गुरुवार को आरोप लगाया है कि बुधवार देर रात उनके आवास पर हमले की साजिश रची गई। उनका दावा है कि बाइक सवार कुछ लोग उनके घर के बाहर आकर बम और गोली मारने की धमकी देते हुए अभद्र भाषा का प्रयोग कर गए। घटना के संबंध में टिटागढ़ थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। पुलिस ने इस मामले में छह लोगों को हिरासत में लिया है।

कौस्तव बागची ने आरोप लगाया कि यह पूरी घटना पूर्व नियोजित थी और उन्हें तथा उनके परिवार को डराने-धमकाने के उद्देश्य से अंजाम दी गई। उन्होंने कहा कि भाजपा नेता मनीष शुक्ला हत्याकांड की निष्पक्ष जांच की मांग करने के बाद से उन्हें निशाना बनाया जा रहा है।

सूत्रों के अनुसार, विधायक ने बैरकपुर नगरपालिका के पूर्व तृणमूल चेयरमैन उत्तम दास समेत कुछ भाजपा नेताओं पर भी गंभीर आरोप लगाए। उनका कहना है कि कुछ तृणमूल नेता भाजपा में शामिल होने की कोशिश कर रहे हैं और पार्टी के भीतर भी कुछ लोग उन्हें शामिल कराने के पक्ष में हैं। उन्होंने दावा किया कि वह इसका विरोध कर रहे हैं, जिसके कारण उन्हें निशाना बनाया जा रहा है।

कौस्तव बागची ने घटना से जुड़े कुछ सीसीटीवी फुटेज भी जारी किए। फुटेज में कथित तौर पर तीन लोगों को एक बाइक पर सवार होकर विधायक के घर के सामने कई बार चक्कर लगाते देखा गया है। विधायक ने बताया कि घटना के समय वह घर पर नहीं थे और उनके परिवार को डराने के उद्देश्य से यह धमकी दी गई।

उन्होंने आशंका जताई कि उनके ऊपर जानलेवा हमला हो सकता है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जन्मदिन पर मंत्री भास्कर भट्टाचार्य ने रवीन्द्र संगीत और सुगम संगीत से बांधा समां

हुगली, (नि.सं.)। पश्चिम बंगाल सरकार के लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी (पीएचई) एवं श्रम राज्य मंत्री भास्कर भट्टाचार्य ने बुधवार देर रात अपने जन्मदिन समारोह में रवीन्द्र संगीत और सुगम संगीत की मधुर प्रस्तुति देकर उपस्थित अतिथियों का दिल जीत लिया। मंत्री के भावपूर्ण गायन पर पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

रिषड़ा के निकट श्रीरामपुर स्थित सागर मैरिज हॉल में आयोजित इस भव्य समारोह में सामाजिक, राजनीतिक और विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लगभग 100 विशिष्ट अतिथि शामिल हुए। पूरे कार्यक्रम में आत्मीयता, सौहार्द और उत्साह का माहौल देखने को मिला।

समारोह में उत्तरपाड़ा के विधायक दीपांजन चक्रवर्ती, प्रदेश भाजपा की सदस्य कृष्णा भट्टाचार्य, वरिष्ठ भाजपा नेता श्यामल बोस, पूर्व जिला अध्यक्ष मोहन अदक, भाजपा नेता राकेश चौधरी रिषड़ा नगरपालिका के वार्ड संख्या-11 की पार्षद शशि सिंह, वार्ड संख्या-10 के पार्षद मनोज सिंह, भाजपा नेता राकेश सिंह, अमित ब्रह्मा, सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

जन्मदिन के अवसर पर केक काटने के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। मंत्री भास्कर भट्टाचार्य ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके स्नेह, शुभकामनाओं और सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

समारोह का सबसे यादगार पल तब आया, जब मंत्री स्वयं मंच पर पहुंचे और रवीन्द्र संगीत के साथ सुगम संगीत की प्रस्तुति दी। उनके सहज और मधुर गायन ने उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। अतिथियों ने खड़े होकर तालियों से उनका अभिवादन किया।

मंत्री के समर्थकों और प्रशंसकों द्वारा आयोजित इस समारोह में उपस्थित सभी लोगों ने उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और जनसेवा के क्षेत्र में निरंतर सफलता की कामना की।

सड़क दुर्घटना में चार लोगों की मौत

पूर्व मेदिनीपुर, (नि.सं.)। जिले के नंदकुमार क्षेत्र में जगन्नाथ रथयात्रा के दिन गुरुवार सुबह एक भयावह सड़क दुर्घटना में चार लोगों की मृत्यु हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। दुर्घटना राष्ट्रीय राजमार्ग-116बी पर हेरिया बाजार के निकट हुई। मृतकों की पहचान तपन दास, शिवब्रत पटनायक, अशोक माइती तथा शुभदीप मंडल के रूप में हुई है। मृतकों में बस चालक भी शामिल है।

पुलिस के अनुसार, कोलकाता से दीघा जा रही एक यात्री बस में यांत्रिक खराबी आने के कारण उसे सड़क किनारे खड़ा किया गया था। चालक और बसकर्मी उसकी मरम्मत में जुटे थे तथा यात्रियों को पहले ही बस से नीचे उतार दिया गया था। इसी दौरान दीघा की ओर जा रहा एक तेज गति का मालवाहक वाहन अनियंत्रित होकर पीछे से बस में जा टकराया। टक्कर इतनी भयावह थी कि घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल राहत कार्य प्रारंभ करते हुए पुलिस को सूचना दी।

ममता राज में दुर्गा पूजा की पवित्रता से समझौता हुआ : शमिक भट्टाचार्य

कोलकाता, (नि.सं.)। पश्चिम बंगाल भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद शमीक भट्टाचार्य ने गुरुवार को आरोप लगाया कि पिछली तृणमूल कांग्रेस सरकार के दौरान दुर्गा पूजा की धार्मिक पवित्रता और आध्यात्मिक स्वरूप को कमजोर कर इसे केवल एक उत्सव के रूप में प्रस्तुत किया गया।

उत्तर कोलकाता में आयोजित एक खूंटी पूजा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भट्टाचार्य ने कहा कि हाल के वर्षों में इस अवसर को ₹दुर्गा पूजा₹ कहने के बजाय केवल ₹उत्सव₹ बताया जाने लगा। उन्होंने कहा कि यह केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि आस्था और धार्मिक परंपराओं से जुड़ा पूजा-पर्व है, इसलिए इसकी पवित्रता बनाए रखना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि दुर्गा पूजा की सबसे बड़ी पहचान मां दुर्गा की प्रतिमा और उससे जुड़ी धार्मिक भावना है। केवल आकर्षक थीम या भव्य पंडाल पर्याप्त नहीं हैं। यदि पंडाल में मां दुर्गा की प्रतिमा ही न हो, तो चाहे सजावट कितनी भी भव्य क्यों न हो, लोग वहां नहीं आएंगे। उनके अनुसार दुर्गा पूजा सबसे पहले पूजा है और इसकी धार्मिक गरिमा सर्वोपरि रहनी चाहिए।

उत्सव बनाकर पेश किया गया

हालांकि भट्टाचार्य ने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन उनके बयान को पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की उस टिप्पणी से जोड़कर देखा जा रहा है, जिसमें वह अक्सर कहती रही हैं कि धार्मिक आस्था व्यक्तिगत विषय है, जबकि त्योहार और उसकी खुशियां सभी के लिए होती हैं।

अपने संबोधन में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने राज्य के सीमावर्ती इलाकों में जनसांख्यिकीय बदलाव को लेकर भी चिंता जताई। उन्होंने दावा किया कि पश्चिम बंगाल के कुछ जिले बांग्लादेश जैसे दिखाई देने लगे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस तरह बांग्लादेश में दुर्गा प्रतिमाओं के साथ तोड़फोड़ की घटनाएं होती हैं, उसी तरह राज्य में भी धार्मिक परंपराओं पर प्रतिबंध लगाने जैसी स्थिति पैदा की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि लोगों को दीप जलाने की अनुमति दी जाती है, लेकिन शंख बजाने से रोका जाता है और अंतिम यात्रा में हरि मंत्र का उच्चारण करने पर भी आपत्ति जताई जाती है।

भट्टाचार्य ने विश्वास जताया कि इस वर्ष पश्चिम बंगाल में दुर्गा पूजा पूरे राज्य में शांतिपूर्ण माहौल में और सभी धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न होगी।

रिसड़ा नगरपालिका के चेयरमैन ने दिया इस्तीफा

हुगली, (नि.सं.)। रिसड़ा नगरपालिका की राजनीति में बुधवार देर रात बड़ा घटनाक्रम सामने आया। नगरपालिका के चेयरमैन विजय सागर मिश्रा ने अपना इस्तीफा ईमेल के माध्यम से श्रीरामपुर के महकमा शासक (एसडीओ) को भेज दिया। सूत्रों के अनुसार, विजय सागर मिश्रा के इस्तीफे के बाद अब नगरपालिका के वाइस चेयरमैन जाहिद हसन खान समेत सात अन्य पार्षद भी शुक्रवार को अपना इस्तीफा सौंप सकते हैं। हालांकि, इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले रिषड़ा नगरपालिका के वार्ड संख्या 15 की पार्षद विजेता देवटिया भी अपना इस्तीफा दे चुकी हैं। लगातार हो रहे इस्तीफों से नगरपालिका की राजनीतिक स्थिति को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। विजय सागर मिश्रा के इस्तीफे के बाद सोशल मीडिया पर भी तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। एक वर्ग इसे उनके राजनीतिक जीवन का कठिन दौर बता रहा है, जबकि कई लोग उनके फैसले का समर्थन करते हुए इसे परिस्थितियों का परिणाम मान रहे हैं। वहीं कुछ लोगों का कहना है कि यह नगरपालिका में राजनीतिक समीकरणों में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। फिलहाल सभी की निगाहें शुक्रवार के घटनाक्रम पर टिकी हुई हैं।

शुक्रवार को कई पार्षदों के भी त्यागपत्र की चर्चा

यदि शुक्रवार को प्रस्तावित इस्तीफे भी होते हैं, तो रिषड़ा नगरपालिका के घटनाक्रम राजनीतिक दबाव की रणनीति का हिस्सा हो सकता है।

बंगाल में भारी वर्षा और वज्रपात की चेतावनी, बदला रहेगा मौसम का मिजाज

कोलकाता, (नि.सं.)। पश्चिम बंगाल में गुरुवार को मानसूनी गतिविधियां तेज रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने निम्न दबाव क्षेत्र के प्रभाव से राज्य के अधिकांश हिस्सों में दिनभर बादल छाए रहेंगे तथा अनेक स्थानों पर गरज के साथ वर्षा हो सकती है। दक्षिण बंगाल के कई जिलों में भारी वर्षा और वज्रपात की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में अधिकतम तापमान 31 से 33 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 27 से 28 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। हवा में नमी का स्तर 80 से 88 प्रतिशत तक रहने से लोगों को उमस का सामना करना पड़ सकता है। पूर्व दिशा से 10 से 12 मील प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है।

दक्षिण बंगाल के कोलकाता, हावड़ा, उत्तर एवं दक्षिण 24 परगना, पूर्व और पश्चिम मेदिनीपुर तथा झाड़ग्राम जिलों में कहीं-कहीं भारी वर्षा हो सकती है। तटीय क्षेत्रों में तेज हवाओं के साथ वज्रपात की आशंका भी जताई गई है। कुछ स्थानों पर 70 से 110 मिलीमीटर तक वर्षा दर्ज की जा सकती है।

प्रेम संबंध के विवाद में दसवीं की छात्रा की चाकू मारकर हत्या

हावड़ा, (नि.सं.)। पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले के आंदुल क्षेत्र में बुधवार रात दसवीं कक्षा की एक छात्रा की कथित प्रेम संबंध के विवाद में चाकू मारकर हत्या कर दी गई। गंभीर रूप से घायल छात्रा ने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। घटना के बाद आक्रोशित स्थानीय लोगों ने आरोपित युवक को पकड़कर उसकी जमकर पिटाई कर दी।

पुलिस के अनुसार, घटना आंदुल के खटीर बाजार-चांदनीबागान इलाके की है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि 27 वर्षीय आरोपित समीर दास का छात्रा से परिचय था और दोनों के बीच प्रेम संबंध को लेकर विवाद चल रहा था। पुलिस को आशंका है कि संबंधों में तनाव और कथित दबाव के कारण आरोपी ने छात्रा पर हमला किया।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बुधवार शाम सड़क पर दोनों के बीच कहासुनी हुई। इसी दौरान आरोपित ने जेब से चाकू निकालकर छात्रा पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। गंभीर रूप से घायल छात्रा को तत्काल हावड़ा जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां कई घंटे तक जीवन के लिए संघर्ष करने के बाद उसकी मृत्यु हो गई।

आरोपित की लोगों ने की पिटाई

घटना को अपनी आंखों के सामने देख स्थानीय लोग आक्रोशित हो उठे। उन्होंने आरोपित को मौके पर ही पकड़ लिया और उसकी पिटाई कर दी। घायल अवस्था में उसे डोमजुड़ ग्रामीण अस्पताल में भर्ती कराया गया।

मृत छात्रा आंदुल के दक्षिण महियाड़ी चांदनीबागान क्षेत्र की रहने वाली थी। वहीं, आरोपित समीर दास मूल रूप से बीरभूम जिले के मयूरेश्वर का निवासी है और हावड़ा के जालान कॉम्प्लेक्स इलाके में काम करता था। पुलिस के अनुसार, इसी दौरान उसकी छात्रा से पहचान हुई थी।

घटना की सूचना मिलते ही डोमजुड़ थाना और हावड़ा सिटी पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपित का इलाज पुलिस निगरानी में चल रहा है और उसके स्वस्थ होने के बाद उससे विस्तृत पूछताछ की जाएगी।

मुख्यमंत्री के जनता दरबार में कैसे मिलेगी एंट्री? जानिए आवेदन की पूरी प्रक्रिया

कोलकाता, (नि.सं.)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने आम लोगों की शिकायतों के त्वरित समाधान के उद्देश्य से 'जनता दरबार' की शुरूआत की है। यह जनता दरबार भारतीय जनता पार्टी के साल्ट लेक स्थित प्रदेश कार्यालय में आयोजित किया जा रहा है, जहां बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याएं, शिकायतें और पिछली सरकार के कार्यकाल से जुड़े मामलों की जानकारी मुख्यमंत्री के समक्ष रख रहे हैं।

जनता दरबार में शामिल होने के इच्छुक लोगों के लिए एक निर्धारित प्रक्रिया तय की गई है। बिना इस प्रक्रिया का पालन किए मुख्यमंत्री से मुलाकात संभव नहीं है।

जनता दरबार में पहुंचने के लिए सबसे पहले आवेदक को साल्ट लेक स्थित भाजपा कार्यालय में बने निर्धारित काउंटर पर जाना होगा। वहां अपनी शिकायत या समस्या की जानकारी देनी होगी। इसके साथ ही शिकायत से जुड़े सभी आवश्यक दस्तावेज और प्रमाण भी प्रस्तुत करने होंगे।

काउंटर पर मौजूद अधिकारी पहले स्वयं शिकायत का समाधान करने का प्रयास करेंगे। यदि वहीं समस्या का निस्तारण हो जाता है, तो मुख्यमंत्री से मिलने की आवश्यकता नहीं होगी।

यदि अधिकारियों को लगता है कि मामला जनता दरबार में रखा जाना चाहिए, तो आवेदक का नाम, मोबाइल नंबर और शिकायत का विवरण दर्ज किया जाएगा। इसके बाद आवेदक को एक टोकन दिया जाएगा। आवश्यकता पड़ने पर आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र या अन्य वैध पहचान पत्र का विवरण भी लिया जा सकता है।

इसके बाद आवेदक की तत्काल प्रक्रिया पूरी हो जाती है। जनता दरबार आयोजित होने से सामान्यतः दो से तीन दिन पहले भाजपा की ओर से संबंधित व्यक्ति को फोन कर निर्धारित तिथि और समय की सूचना दी जाती है। तय दिन आवेदक को अपना टोकन और सभी मूल दस्तावेज लेकर उपस्थित होना होता है।

मुख्यमंत्री के जनता दरबार में प्रवेश का यही एकमात्र अधिकृत तरीका है। बिना पंजीकरण या केवल सुबह से कतार में लगकर जनता दरबार में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाती। इसलिए इच्छुक लोगों को निर्धारित प्रक्रिया का पालन करना आवश्यक है। यहां तक कि ऑनलाइन जरिए से भी रजिस्ट्रेशन की कोई प्रक्रिया नहीं रखी गई है। पार्टी की ओर से बताया गया है कि जनता दरबार में शामिल होने के लिए राज्य भर से लोग आ रहे हैं। उन्हें किसी तरह के भ्रम की स्थिति में नहीं पड़ना पड़े या किसी ठगी का शिकार ना हों, इसलिए इस प्रक्रिया को जान लेना आवश्यक है।

प्रथम प्रकाशन 1878 भारतमित्र

संपादकीय

यूपी में वारदात को अंजाम देने से पहले कानून से खौफ खाते हैं अपराधी?

वहीं मजदूरी कर रहे परिवार की उस बच्ची को बहला-फुसला कर ले जाया गया और इस जघन्य वारदात को अंजाम दिया गया। उत्तर प्रदेश में सरकार का दावा रहा है कि उसने अपराध और अपराधियों के खिलाफ जिस स्तर पर सख्ती और कार्रवाई की है, उसकी वजह से राज्य की जनता खुद को सुरक्षित महसूस करती है। खासतौर पर महिलाओं के लिए एक सुरक्षित माहौल बना है और कहीं भी आने-जाने में उन्हें किसी तरह के असुरक्षा-भाव से नहीं गुजरना पड़ता।सरकार के इस तरह के दावे निश्चित रूप से आम जनता की सुरक्षा के लिहाज से अहम हैं, लेकिन सवाल है कि क्या राज्य में सरकार और पुलिस का प्रभाव वास्तव में इतना असरकारी है कि किसी भी वारदात को अंजाम देने से पहले अपराधी कानून से खौफ खाते हैं! गौरतलब है कि गाजियाबाद के राजनगर एक्सटेंशन इलाके में निर्माणाधीन व्यावसायिक परिसर में सात वर्षीय बच्ची का शव मिला, जिसकी हालत देख कर उससे बलात्कार के बाद उसकी हत्या की आशंका भी जताई गई है।

खबर के मुताबिक, वहीं मजदूरी कर रहे परिवार की उस बच्ची को बहला-फुसला कर ले जाया गया और इस जघन्य वारदात को अंजाम दिया गया। इस घटना के अलावा भी हाल के दिनों में नाबालिग बच्चियों से बलात्कार या उनकी हत्या के अन्य मामले सामने आए और न्याय की मांग के साथ लोगों को सड़क पर उतरना पड़ा।यह छिपा नहीं है कि आए दिन राज्य सरकार अपना प्रभाव साबित करने के उद्देश्य से अपराध को खत्म कर देने की दुहाई देती रहती है।

यह भी दावा किया जाता रहता है कि कानून के डर से अब अपराधी राज्य छोड़ कर भाग चुके हैं। अगर सरकार के दावे सही हैं, तो ऐसा क्यों है कि आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों के भीतर कानून का कोई खौफ नहीं दिखता और वे महिलाओं के विरुद्ध जघन्य अपराधों को अंजाम देने से भी नहीं हिचक रहे?यह भी ध्यान रखने की जरूरत है कि कई बार आपराधिक घटनाओं की संख्या थानों में दर्ज आंकड़ों के मुकाबले वास्तव में कहीं ज्यादा होती हैं। कहने को महिलाओं के लिए राज्य को सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से कानून से लेकर हर स्तर पर चौकसी बरतने और हेल्पलाइन की व्यवस्था करने जैसे उपाय किए गए हैं।

मगर सच्चाई यह है कि सरकारी दावों के समांतर अभी भी ऐसा तंत्र सक्रिय करने की जरूरत है, जो महिलाओं के लिए वास्तव में सुरक्षित माहौल बना सके।

अमेरिका-ईरान टकराव और विश्व शांति की नई चुनौती

दूसरी ओर ईरान को भी यह समझना होगा कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों को अपने रणनीतिक हितों के लिए बंधक बनाना न तो अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप है और न ही वैश्विक विश्वास के अनुकूल। किसी भी देश की सुरक्षा तब तक स्थायी नहीं हो सकती जब तक वह पड़ोसी देशों और विश्व समुदाय के साथ सहयोग, विश्वास और पारदर्शिता का वातावरण निर्मित न करे। भय और प्रतिशोध पर आधारित सुरक्षा व्यवस्था अंततः स्वयं को ही असुरक्षित बना देती है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कार्यशैली ने इस पूरे संकट को और अधिक अनिश्चित बनाया है। एक ओर वे कठोर सैन्य कार्रवाई करते हैं, दूसरी ओर वार्ता और समझौते की बातें करते हैं। इस प्रकार के विरोधाभासी संदेश न केवल कूटनीतिक विश्वास को कमजोर करते हैं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी अस्थिरता पैदा करते हैं।

(ललित गर्ग)

इतिहास गवाह है कि युद्धों ने कभी स्थायी समाधान नहीं दिया। प्रथम और द्वितीय विश्वयुद्ध से लेकर इराक, अफगानिस्तान, लीबिया और सीरिया तक, हर युद्ध ने नई समस्याएं ही पैदा की हैं। लाखों लोगों की जान गई, करोड़ों लोग विस्थापित हुए, लेकिन अंततः समाधान फिर बातचीत की मेज पर ही खोजे गए। 14-15 जुलाई को अमेरिकी हमले में ईरान में 30 लोग मारे गए हैं। इस जंग से दुनिया चिंतित है।

अमेरिका और ईरान के बीच लंबे तनाव के बाद बड़ी कठिनाई से बना संघर्ष विराम अपनी निर्धारित अवधि पूरी करने से पहले ही टूटने की कगार पर पहुंच गया । ईरान द्वारा अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर किए गए ताजा हमलों और उसके जवाब में अमेरिका की भीषण बमबारी ने एक बार फिर पूरी दुनिया को युद्ध की आशंकाओं के बीच खड़ा कर दिया है। यह केवल दो देशों के बीच का सैन्य संघर्ष नहीं है, बल्कि वैश्विक शांति, आर्थिक स्थिरता और मानवीय मूल्यों के लिए गंभीर चुनौती है। जिस समय विश्व को महामारी, आर्थिक मंदी, जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा संकट जैसी समस्याओं से मिलकर लड़ना चाहिए, उस समय महाशक्तियों का युद्धोन्माद पूरी मानवता को पीछे धकेलने का कार्य कर रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर उत्पन्न विवाद ने इस संघर्ष को और अधिक विस्फोटक बना दिया है। विश्व के लगभग 20 प्रतिशत कच्चे तेल की आपूर्ति इसी समुद्री मार्ग से होती है। यदि यह मार्ग बाधित होता है तो केवल तेल की कीमतें ही नहीं बढ़ेंगी, बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था पर इसका व्यापक दुष्प्रभाव पड़ेगा। महंगाई बढ़ेगी, उत्पादन लागत में वृद्धि होगी, आपूर्ति श्रृंखलाएं टूटेंगी और विकासशील देशों की अर्थव्यवस्था सबसे अधिक प्रभावित होगी। युद्ध की आग कभी सीमाओं में नहीं रहती, उसकी तपिश अंततः पूरी दुनिया को झुलसाती है। भौगोलिकसंदर्भ

इस संघर्ष का सबसे दुखद पक्ष यह है कि इसमें निर्दोष नागरिकों, नाविकों और आम जनजीवन को सबसे अधिक कीमत चुकानी पड़ती है। हाल के घटनाक्रम में भारतीय नाविकों के प्रभावित होने और भारत के सहयोग से विकसित रणनीतिक महत्व वाले चाबहार बंदरगाह परियोजना को नुकसान पहुंचने से यह स्पष्ट हो गया है कि युद्ध किसी एक देश तक सीमित नहीं रहता। अंतरराष्ट्रीय व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा और वैश्विक विश्वास-तीनों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। अमेरिका स्वयं को लोकतंत्र और विश्व व्यवस्था का संरक्षक बताता है, लेकिन उसकी विदेश नीति लंबे समय से प्रतिबंधों, सैन्य दबाव और शक्ति प्रदर्शन पर आधारित रही है। किसी भी राष्ट्र को झुकाने के लिए आर्थिक प्रतिबंध, सैन्य हमले और राजनीतिक दबाव स्थायी समाधान नहीं हो सकते। महाशक्ति होने का अर्थ केवल सैन्य सामर्थ्य नहीं, बल्कि संयम, दूरदृष्टि और विश्व समुदाय के प्रति नैतिक उत्तरदायित्व भी है। यदि शक्ति विवेक से संचालित न हो तो वही शक्ति विनाश का कारण बन जाती है।

दूसरी ओर ईरान को भी यह समझना होगा कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों को अपने रणनीतिक हितों के लिए बंधक बनाना न तो अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप है और न ही वैश्विक विश्वास के अनुकूल। किसी भी देश की सुरक्षा तब तक स्थायी नहीं हो सकती जब तक वह पड़ोसी देशों और विश्व समुदाय के साथ सहयोग, विश्वास और पारदर्शिता का वातावरण निर्मित न करे। भय और प्रतिशोध पर आधारित सुरक्षा व्यवस्था अंततः स्वयं को ही असुरक्षित बना देती है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कार्यशैली ने इस पूरे संकट को और अधिक अनिश्चित बनाया है। एक ओर वे कठोर सैन्य कार्रवाई करते हैं, दूसरी ओर वार्ता और समझौते की बातें करते हैं। इस प्रकार के विरोधाभासी संदेश न केवल कूटनीतिक विश्वास को कमजोर करते हैं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी अस्थिरता पैदा करते हैं। महाशक्तियों के नेताओं के प्रत्येक वक्तव्य का प्रभाव केवल उनके देशों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि विश्व की अर्थव्यवस्था, निवेश, ऊर्जा बाजार और करोड़ों लोगों के जीवन पर पड़ता है। इसलिए नेतृत्व

में धैर्य, स्थिरता और विश्वसनीयता अत्यंत आवश्यक है। दक्षिण-एशियाईऔर प्रवासी

इतिहास गवाह है कि युद्धों ने कभी स्थायी समाधान नहीं दिया। प्रथम और द्वितीय विश्वयुद्ध से लेकर इराक, अफगानिस्तान, लीबिया और सीरिया तक, हर युद्ध ने नई समस्याएं ही पैदा की हैं। लाखों लोगों की जान गई, करोड़ों लोग विस्थापित हुए, लेकिन अंततः समाधान फिर बातचीत की मेज पर ही खोजे गए। यदि अंत में संवाद ही करना है, तो शुरुआत भी संवाद से ही क्यों नहीं हो सकती? यही प्रश्न आज पूरी मानवता के सामने खड़ा है। भारत ने सदैव विश्व को शांति, सह-अस्तित्व और अहिंसा का मार्ग दिखाया है। गौतम बुद्ध, भगवान महावीर और महात्मा गांधी की भूमि ने यह सिखाया कि वास्तविक विजय शत्रु को पराजित करने में नहीं, बल्कि शत्रुता को समाप्त करने में है। भारत की विदेश नीति भी 'वसुधैव कुटुम्बकम्' और 'विश्वबंधुत्व' के आदर्शों पर आधारित रही है। भारत ने हमेशा संवाद, कूटनीति और शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन किया है। यही कारण है कि भारत आज विश्वसनीय मध्यस्थ, संतुलित शक्ति और जिम्मेदार वैश्विक भागीदार के रूप में सम्मान प्राप्त कर रहा है। वर्तमान संकट में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो सकती है। भारत के अमेरिका, ईरान और खाड़ी देशों के साथ संतुलित संबंध हैं। भारत यदि संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों के माध्यम से सक्रिय शांति पहल करे, तो तनाव कम करने में उसकी भूमिका प्रभावी सिद्ध हो सकती है। साथ ही भारत को अपनी ऊर्जा सुरक्षा, समुद्री व्यापार और विदेशों में कार्यरत भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए भी दूरदर्शी रणनीति अपनानी होगी। आज आवश्यकता किसी एक पक्ष की विजय की नहीं, बल्कि मानवता की विजय की है। हथियारों की होड़ से न तो समृद्धि आती है और न ही सम्मान। वास्तविक शक्ति मिसाइलों, बमों और युद्धपोतों में नहीं, बल्कि विश्वास, सहयोग और संवाद में निहित होती है। युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं है, वह केवल नई समस्याओं को जन्म देता है। अहिंसा कायरता नहीं, बल्कि आत्मबल, धैर्य और दूरदर्शिता का सर्वोच्च स्वरूप है। विश्व समुदाय को अब यह स्पष्ट संदेश देना होगा कि किसी भी देश की मनमानी, सामरिक अहंकार और युद्धोन्माद को स्वीकार नहीं किया जा सकता। संयुक्त राष्ट्र सहित वैश्विक संस्थाओं को अधिक प्रभावी, निष्पक्ष और सक्रिय भूमिका निभानी होगी। यदि आज भी दुनिया ने युद्ध की राजनीति पर अंकुश नहीं लगाया, तो भविष्य की पीढ़ियां हमें क्षमा नहीं करेंगी। आज पूरी दुनिया की प्रार्थना यही है कि अमेरिका को शक्ति के साथ सद्बुद्धि मिले, ईरान को संयम और विवेक का मार्ग मिले तथा दोनों राष्ट्र हथियारों की भाषा छोड़कर संवाद की संस्कृति अपनाएं। शांति ही विकास का आधार है, संवाद ही स्थायी समाधान का मार्ग है और अहिंसा ही मानव सभ्यता का सबसे बड़ा अस्त्र है। यही समय की पुकार है, यही मानवता की अपेक्षा है और यही भविष्य की सबसे बड़ी आवश्यकता भी।लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

दूरदर्शिता की राह, मूलभूत आदर्शों और मूल्यों पर टिकी होती है मजबूत समाज की नींव

(एकता कानूनगो बक्षी)

हर अनुभव के साथ हमारा व्यक्तित्व परिष्कृत, मजबूत और सुदृढ़ बनने लगता है। न्यायपूर्ण और स्पष्ट निर्णय लेना धीरे-धीरे हमारे स्वभाव का हिस्सा बन जाता है। युद्ध और सत्ता के संदर्भ में 'कूटनीति' और 'रणनीति' जैसे शब्द भले ही बड़े और जटिल प्रतीत होते हों, पर उनकी असली नींव अक्सर हमारे बचपन में ही रख दी जाती है। जब हम दिनचर्या के छोटे-बड़े लक्ष्य पूरे करने के लिए अपने अनूठे तरीकों का निर्माण कर रहे होते हैं, तब अनजाने में ही हम निर्णय लेने और संबंधों को संतुलित रखने की कला भी सीख रहे होते हैं। हमारे रोजमर्रा के काम- जैसे जब हम अपने लिए कुछ लेने से पहले आसपास के लोगों की आवश्यकता पूछ लेते हैं, या अपने काम को इस प्रकार करते हैं कि किसी और को उसके कारण असुविधा न हो- वहीं से इस समझ की शुरुआत होती है। जब छोटे-छोटे निर्णयों में हमें दूसरों का खयाल रखना, बांटना और धैर्य रखना सिखाया जाता है, साथ ही हमारे बड़े भी अपने आचरण से सही उदाहरण प्रस्तुत करते हैं, तब हम अपने लक्ष्य तक पहुंचने के मार्ग को केवल उसकी लंबाई या उससे मिलने वाले लाभ के आधार पर नहीं, बल्कि नैतिकता और व्यापक दृष्टि से देखने लगते हैं। हर अनुभव के साथ हमारा व्यक्तित्व परिष्कृत, मजबूत और सुदृढ़ बनने लगता है। न्यायपूर्ण और स्पष्ट निर्णय लेना धीरे-धीरे हमारे स्वभाव का हिस्सा बन जाता है। कहने को तो यह आचरण सामान्य शिष्टाचार की श्रेणी में आता है, जो लगभग हर व्यक्ति को बचपन में सिखाया जाता है, लेकिन भविष्य में जब जीवन अपना पूर्ण आकार लेता है और हमारे निर्णयों का प्रभाव पहले से कहीं अधिक व्यापक हो जाता है, तब हमारी कार्य-योजनाओं और निर्णयों को कूटनीति और रणनीति का नाम दे दिया जाता है।

जबकि हमारे भीतर बचपन में विकसित हुई वही कोमल संवेदनाएं और आदर्श ही हमारा मार्गदर्शन कर रहे होते हैं। सच यह है कि हमारे व्यक्तित्व के सोचने-समझने की दिशा बचपन में ही चुपके-चुपके तय होती रहती है, जब हमें परिवार से लेकर समाज और हमारे खेलने-कूदने से लेकर लेकर स्कूल तक में व्यवहारों आदि के संदर्भ में सिखाया जाता है।

वह हमारा सामाजिक प्रशिक्षण होता है, जिसके जरिए हमारे जीने का ढंग तय होता है और इसके समांतर ही हम अपने सामने घटने वाली घटनाओं को लेकर राय बनाते हैं, अपने भीतर सिंचित आग्रहों के आधार पर उसका आकलन करते हैं। हां, बाद के दिनों में कुछ परिस्थितियों में अगर हमें अपने स्वतंत्र विवेक के साथ जूझने का मौका मिलता है और हम उसे स्वीकार करके सोचने-समझने की नई दिशा पर भी विचार करते हैं, तब हमारी 'कूटनीतिक' दिशा भी बदल सकती है। कई बार 'कूटनीति' को नकारात्मक अर्थों में देखा जाता है, जिसका वास्तविक कारण मनुष्य के भीतर की दुर्बलता होती है। जब व्यक्ति अपने भीतर आवश्यक जीवन-मूल्यों, आदर्शों और विचारों को पनपने का अवसर नहीं देता, तब उसके निर्णय स्वार्थ, संकीर्ण सोच या भय से प्रेरित होने लगते हैं। ऐसे में परिपक्व विचारों तथा न्यायसंगत और साहसिक योजनाओं की अपेक्षा करना ही अनुचित है। दरअसल, कूटनीति केवल परिस्थितियों को अपने पक्ष में मोड़ने की कला नहीं है, बल्कि यह एक चुनाव भी है- एक ऐसा चुनाव, जहां हम तत्काल लाभ और स्वार्थ से ऊपर उठकर व्यापक हित, संतुलन और न्याय को प्राथमिकता देते हैं। यह वही समझ है, जो बचपन की सरल सीखों से विकसित होकर जीवन के जटिल निर्णयों में हमारा मार्गदर्शन करती है। हम किन आदर्शों को लेकर चलते हैं, यही निर्धारित करता है कि हमारे निर्णय किस दिशा में आकार लेंगे और हम कितने दृढ़ बन सकेंगे। आम जीवन में भी कूटनीति का अर्थ केवल छल या चतुराई नहीं है। जब व्यक्ति गंभीरता से अपने प्रत्येक कार्य और व्यवहार की जिम्मेदारी स्वीकार करता है, तब वह स्वाभाविक रूप से संवेदनशीलता, संतुलन और समझदारी के साथ व्यवहार करने लगता है। अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए भी वह इस बात का ध्यान रखता है कि किसी का अहित न हो।

सही ढंग से बनाई गई योजनाएं संबंधों को सुदृढ़ बनाती हैं और समाज में सामंजस्य बनाए रखने में सहायक होती हैं।

जब यही सोच व्यक्ति से आगे बढ़ती है, तो समाज के स्वरूप को भी प्रभावित करने लगती है। इस संदर्भ में यह समझना आवश्यक हो जाता है कि कूटनीति केवल युद्ध और सत्ता का उपकरण मात्र नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति और समाज दोनों को परिभाषित करने वाली एक दृष्टि है। सही कूटनीति किसी एक नेता तक सीमित नहीं रहती, वह एक ऐसा पथ-प्रदर्शक विचार बन जाती है, जिसका अनुसरण करने के लिए किसी आदेश की नहीं, बल्कि विश्वास की आवश्यकता होती है। निस्संदेह, यह यात्रा उसी क्षण आरंभ होती है, जब व्यक्ति अपने प्रत्येक निर्णय में न्याय को चुनने का साहस अपने भीतर जागृत करता है।

परमाणु संयंत्र का डाटा लीक हो गया, क्या ऐसी साइबर सुरक्षा के भरोसे आगे बढ़ेगा डिजिटल इंडिया?

हम आपको बता दें कि कथित रूप से लीक हुए दस्तावेज वर्ष 2016 से लेकर वर्ष 2025 के मध्य तक के बताए जा रहे हैं। इनमें वेंटिलेशन और शीतलन प्रणालियों के इंजीनियरिंग नक्शे, साझा नियंत्रण कक्ष की रूपरेखा, उपकरणों के निरीक्षण प्रतिवेदन, आपूर्तिकर्ताओं की सूची, विक्रेताओं के प्रस्ताव, बैठकों के अभिलेख तथा बीमा संबंधी दस्तावेज शामिल बताए गए हैं। अधिकांश दस्तावेज कुडनकुलम परियोजना की तीसरी और चौथी इकाई से संबंधित हैं, जिनका निर्माण कार्य जारी है और जिनके वर्ष 2027 तक चालू होने की संभावना है। राहत की बात यह है कि उपलब्ध जानकारी के अनुसार इनमें परमाणु रिएक्टर के मुख्य तंत्र की रूपरेखा शामिल नहीं है, क्योंकि वह रूस की सरकारी कंपनी द्वारा उपलब्ध कराई जाती है।

(नीरज कुमार दुबे)

इस पूरे मामले की जांच भारतीय कंप्यूटर आपात प्रतिक्रिया दल और भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम संयुक्त रूप से कर रहे हैं। अभी तक इस बात का कोई प्रमाण सामने नहीं आया है कि संयंत्र की परिचालन प्रणाली या परमाणु रिएक्टर की सुरक्षा से सीधे समझौता हुआ है। देश की सबसे बड़ी परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं में शामिल तमिलनाडु स्थित कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र से जुड़े हजारों गोपनीय दस्तावेज कथित रूप से सार्वजनिक होने के बाद भारत की महत्वपूर्ण अवसंरचना की साइबर सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं सामने आई हैं। हम आपको बता दें कि रैनसमवेयर गिरोह वर्ल्ड लीक्स ने दावा किया है कि उसने संयंत्र से संबंधित 19 हजार से अधिक संवेदनशील फाइलें डार्क वेब पर जारी कर दी हैं। इन दस्तावेजों को लगभग 8 लाख 58 हजार फाइलों के उस बड़े संग्रह का हिस्सा बताया जा रहा है, जिसे परियोजना से जुड़े ठेकेदार रिलायंस समूह के डाटा से चुराया गया है। हालांकि इन दस्तावेजों की प्रामाणिकता की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है, फिर भी विशेषज्ञ इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से अत्यंत गंभीर मामला मान रहे हैं। इस बीच, रिलायंस समूह ने मीडिया को बताया कि तीसरे पक्ष के भारतीय डाटा सेंटर प्रदाता योट्टा के सर्वर पर रखे गए उसके डाटा में आंशिक सेंधमारी हुई है। कंपनी के अनुसार सरकार को इस घटना की जानकारी दे दी गई है, लेकिन किस प्रकार का डाटा प्रभावित हुआ, इसका खुलासा नहीं किया गया। दूसरी ओर योट्टा ने कहा कि उसने 29 मई को सर्वर पर संदिग्ध गतिविधियों का पता लगा लिया था और संदिग्ध रैनसमवेयर को सक्रिय होने से रोक दिया गया था। बाद में रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर ने संभावित डाटा लीक के दावे की जानकारी दी। हम आपको बता दें कि कथित रूप से लीक हुए दस्तावेज वर्ष 2016 से लेकर वर्ष 2025 के मध्य तक के बताए जा रहे हैं।

इनमें वेंटिलेशन और शीतलन प्रणालियों के इंजीनियरिंग नक्शे, साझा नियंत्रण कक्ष की रूपरेखा, उपकरणों के निरीक्षण प्रतिवेदन, आपूर्तिकर्ताओं की सूची, विक्रेताओं के प्रस्ताव, बैठकों के अभिलेख तथा बीमा संबंधी दस्तावेज शामिल बताए गए हैं। अधिकांश दस्तावेज कुडनकुलम परियोजना की तीसरी और चौथी इकाई से संबंधित हैं, जिनका निर्माण कार्य जारी है और जिनके वर्ष 2027 तक चालू होने की संभावना है। राहत की बात यह है कि उपलब्ध जानकारी के अनुसार इनमें परमाणु रिएक्टर के मुख्य तंत्र की रूपरेखा शामिल नहीं है, क्योंकि वह रूस की सरकारी कंपनी द्वारा उपलब्ध कराई जाती है। फिर भी साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी जानकारी शत्रुतापूर्ण तत्वों के लिए अत्यंत उपयोगी साबित हो सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार यदि किसी हमलावर को यह जानकारी मिल जाए कि परियोजना में किन व्यक्तियों, ठेकेदारों और प्रणालियों की पहुंच कहां तक है, तो वह प्रत्यक्ष रूप से परमाणु रिएक्टर पर हमला किए बिना भी उससे जुड़ी सहायक

व्यवस्थाओं, आपूर्ति श्रृंखला या तीसरे पक्ष की प्रणालियों को निशाना बना सकता है। इससे परियोजना के संचालन, रखरखाव और सुरक्षा व्यवस्था पर अप्रत्यक्ष खतरा उत्पन्न हो सकता है। भारतीयनौसेना जानकारी इस पूरे मामले की जांच भारतीय कंप्यूटर आपात प्रतिक्रिया दल और भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम संयुक्त रूप से कर रहे हैं। अभी तक इस बात का कोई प्रमाण सामने नहीं आया है कि संयंत्र की परिचालन प्रणाली या परमाणु रिएक्टर की सुरक्षा से सीधे समझौता हुआ है। परमाणु ऊर्जा विभाग और प्रधानमंत्री कार्यालय ने इस मामले पर सार्वजनिक रूप से कोई टिप्पणी नहीं की है। उल्लेखनीय है कि संबंधित हैकर गिरोह पहले भी कई प्रमुख औद्योगिक संस्थानों को निशाना बना चुका है। देखा जाये तो यह घटना ऐसे समय सामने आई है जब भारत की महत्वपूर्ण अवसंरचना पर साइबर हमलों का खतरा लगातार बढ़ रहा है। एक साइबर सुरक्षा कंपनी की रिपोर्ट के अनुसार पिछले वर्ष भारत में लगभग दो करोड़ नवासी लाख खाते किसी न किसी रूप में डाटा समझौते का शिकार हुए, जिससे भारत विश्व के सर्वाधिक प्रभावित देशों में शामिल रहा। वहीं हाल के एक औद्योगिक सर्वेक्षण में पाया गया कि 73 प्रतिशत भारतीय संस्थानों को यह तक जानकारी नहीं थी कि वे कभी साइबर हमले का शिकार हुए हैं या नहीं, जबकि 57 प्रतिशत संस्थानों में बुनियादी साइबर उपायों का भी अभाव है। देखा जाये तो कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा परियोजना केवल बिजली उत्पादन का केंद्र नहीं है, बल्कि भारत की दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा, परमाणु क्षमता और सामरिक आत्मनिर्भरता का महत्वपूर्ण आधार भी है। इस परियोजना पर किसी भी प्रकार का साइबर हमला या गोपनीय सूचनाओं का लीक होना सीधे राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा विषय है। आधुनिक युद्ध में साइबर क्षेत्र को भूमि, जल, वायु और अंतरिक्ष के समान ही महत्वपूर्ण माना जा रहा है। ऐसे में महत्वपूर्ण अवसंरचना से संबंधित सूचनाओं का दुरुपयोग कर शत्रु देश या संगठित साइबर अपराधी बिना प्रत्यक्ष सैन्य कार्रवाई के भी रणनीतिक दबाव बना सकते हैं। बहरहाल, इस घटना ने यह भी स्पष्ट किया है कि केवल परमाणु संयंत्र की आंतरिक सुरक्षा पर्याप्त नहीं है, बल्कि उससे जुडे ठेकेदारों, डाटा सेंटरों, आपूर्ति श्रृंखला और तीसरे पक्ष की डिजिटल प्रणालियों की सुरक्षा भी समान रूप से आवश्यक है। भविष्य में राष्ट्रीय महत्व की परियोजनाओं के लिए मजबूत साइबर सुरक्षा ढांचा, नियमित सुरक्षा परीक्षण, आपूर्ति श्रृंखला का कड़ा सत्यापन तथा संवेदनशील सूचनाओं की बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था विकसित करना अनिवार्य होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को अपनी महत्वपूर्ण अवसंरचना की साइबर सुरक्षा को राष्ट्रीय रक्षा रणनीति का अभिन्न हिस्सा बनाते हुए इस क्षेत्र में निवेश और समन्वय दोनों को और मजबूत करना होगा, ताकि ऐसी घटनाओं से सामरिक हितों और राष्ट्रीय सुरक्षा की प्रभावी रक्षा सुनिश्चित की जा सके।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

संक्षिप्त समाचार

जन सुराज के 3 पूर्व प्रत्याशी भाजपा में शामिल, बांकीपुर उपचुनाव से पहले प्रशांत किशोर को झटका

पटना, एजेंसी। बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव से पहले बिहार की राजनीति में बड़ा उलटफेर हुआ है। जनसुराज पार्टी के तीन पूर्व विधानसभा प्रत्याशी केसी सिन्हा, बिट्टू सिंह और गोपाल सिंह भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने तीनों नेताओं को पार्टी की सदस्यता दिलाई है। चुनाव से ठीक पहले यह घटनाक्रम होने से राजनीतिक सरगर्मियां चरम पर हैं। केसी सिन्हा पीएम मोदी से प्रभावित : भाजपा में शामिल होने के बाद गणितज्ञ केसी सिन्हा ने कहा कि बिहार ज्ञान, विज्ञान और शिक्षा की धरती रही है। नालंदा में कभी देश-विदेश के छात्र पढ़ाई करने आते थे, अब फिर से एक बार नालंदा का गौरवशाली अतीत लौट रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए आगे बढ़ रहे हैं और हम भी इस विकास यात्रा का हिस्सा होना चाहते हैं। गोपाल सिंह की घर वापसी : मनेर के पूर्व प्रत्याशी गोपाल सिंह ने बताया कि वह 1990 के समय से ही भाजपा से जुड़े हुए थे। उन्होंने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत प्रखंड महामंत्री के रूप में की थी और इसके बाद वे पार्टी के कई महत्वपूर्ण पदों पर रहे। बीच में वे भाजपा छोड़कर जनसुराज में शामिल हुए थे और वहां की टिकट पर मनेर विधानसभा से चुनाव भी लड़ा। लेकिन जो सोचकर वे प्रशांत किशोर के साथ गए थे, वैसा कुछ भी वहां देखने को नहीं मिला।गुस्से में जनसुराज में चले गए थे' : बिट्टू सिंह ने कहा कि आवेश में आकर कभी भी कोई काम नहीं करना चाहिए। मैंने भी आवेश में आकर ही जनसुराज में शामिल होने का फैसला किया था। इसे अपनी बड़ी गलती मानते हुए मैं पार्टी और जनता से माफी मांगता हूं। बंटी सिंह ने अपनी बात को दोहराते हुए कहा कि मैं इस गलती के लिए पहले भी माफी मांग चुका हूं और आज भी सबके सामने माफी मांगता हूं। पुरानी बातों को पीछे छोड़कर हम सभी लोग पूरी तरह एकजुट होकर एक साथ मिलकर पार्टी के लिए काम करेंगे। चुनाव प्रचार के बीच सियासी हलचल : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि बड़ी संख्या में नेता नरेंद्र मोदी की नीतियों से प्रभावित होकर भाजपा में शामिल हो रहे हैं। इनके आने से पार्टी को और ताकत मिलेगी। बांकीपुर उपचुनाव में भाजपा और जनसुराज के बीच सीधी राजनीतिक लड़ाई देखने को मिल रही है। ऐसे में इन पूर्व उम्मीदवारों का भाजपा का दामन थामना चुनावी माहौल को और गर्म करने वाला कदम माना जा रहा है।

35 साल बाद कोर्ट के आदेश पर बजी डुगडुगी, 103 वर्षीय हबीबन खातून को मिली अपनी जमीन

मोतिहारी , एजेंसी। बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के कल्याणपुर प्रखंड के मंगलापुर गांव में बुधवार को एक लंबे समय से चले आ रहे जमीन विवाद का अंत हुआ। करीब 35 वर्षों तक न्यायालय में चली कानूनी प्रक्रिया के बाद 103 वर्षीय हबीबन खातून को उनकी जमीन का विधिवत कब्जा दिलाया गया। न्यायालय के आदेश के अनुपालन में प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था के बीच दखल दहानी की कार्रवाई पूरी कराई। 35 साल कोर्ट में लड़ाई फिर मिली जमीन : प्राप्त जानकारी के अनुसार, हबीबन खातून और अन्य पक्षों के बीच करीब 1 कट्ठा 4 धुर भूमि को लेकर वर्ष 1994 से विवाद चल रहा था। मामला न्यायालय में विचाराधीन था। लंबी सुनवाई के बाद अदालत ने हबीबन खातून के पक्ष में फैसला सुनाते हुए प्रशासन को आदेश का पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। न्यायालय के आदेश के बाद राजस्व विभाग, स्थानीय प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम गांव पहुंची। निर्धारित प्रक्रिया के तहत संबंधित भूमि पर दखल दहानी कराई गई और कब्जा हबीबन खातून को सौंप दिया गया। कार्रवाई के दौरान न्यायालय के आदेश की सार्वजनिक जानकारी देने के लिए गांव में डुगडुगी भी बजवाई गई। भूमि विवाद को देखते हुए प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए थे। मौके पर करीब 300 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी। इसके अलावा मजिस्ट्रेट, राजस्व विभाग के अधिकारी और कल्याणपुर थाना पुलिस पूरी कार्रवाई के दौरान मौजूद रहे। प्रशासन की निगरानी में पूरी प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई।

मरीजों के लटके ऑपरेशन पर स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार सख्त

अस्पतालों की सुविधा बढ़ाने के दिए निर्देश

पटना , एजेंसी। बिहार सरकार ने राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी, आधुनिक और मरीज केंद्रित बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने बुधवार को राजधानी पटना के प्रमुख मेडिकल कॉलेजों और सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों के प्राचार्यों, अधीक्षकों और निदेशकों के साथ मैराथन समीक्षा बैठक की। बैठक में मरीजों को समय पर गुणवत्तापूर्ण इलाज, लंबित सर्जरियों के शीघ्र निष्पादन, कैंसर की शुरुआती जांच, इमरजेंसी सेवाओं के विस्तार और अस्पतालों में आधुनिक सुविधाएं बढ़ाने को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए।

लंबित सर्जरी जल्द पूरी करने के निर्देश : बैठक में स्वास्थ्य मंत्री ने जिलों के मेडिकल कॉलेज एवं अस्पतालों में लंबित सर्जरियों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि जिन अस्पतालों में ऑपरेशन लंबित हैं, वहां के मरीजों की सर्जरी जरूरत पड़ने पर आईजीआईएमएस, एम्स और मेदांता जैसे संस्थानों में कराई जाए। सभी मेडिकल कॉलेजों को शुक्रवार तक लंबित सर्जरियों की अद्यतन वेटिंग लिस्ट स्वास्थ्य विभाग को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया, ताकि विशेष अभियान चलाकर मरीजों को जल्द राहत दी जा सके।

कैंसर की शुरुआती पहचान पर विशेष फोकस : बैठक में कैंसर की समय पर पहचान और रोकथाम को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। स्वास्थ्य मंत्री ने निर्देश दिया कि सामान्य स्वास्थ्य जांच के दौरान सर्वाइकल कैंसर, ब्रेस्ट कैंसर और प्रोस्टेट कैंसर की स्क्रीनिंग को बढ़ावा दिया जाए। साथ ही बीपी, शुगर और अन्य गैर-संचारी रोगों से पीड़ित लोगों की भी कैंसर जांच सुनिश्चित की जाए। इस अभियान में राज्य की लगभग एक लाख आशा कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की बात कही गई।

इमरजेंसी सेवाओं को मिलेगा नया स्वरूप : बैठक में इमरजेंसी सेवाओं को और मजबूत बनाने पर भी जोर दिया गया। स्वास्थ्य मंत्री ने अस्पतालों में इमरजेंसी बेड की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। साथ ही एक केंद्रीकृत सॉफ्टवेयर विकसित करने की बात कही, जिसके माध्यम से किसी भी समय यह जानकारी मिल सके कि राज्य के किस अस्पताल में कितने इमरजेंसी बेड उपलब्ध हैं। इससे आपातकालीन मरीजों को समय पर उचित अस्पताल में भर्ती कराने में आसानी होगी।

आधुनिक मशीनें और बेहतर सुविधाओं पर जोर : स्वास्थ्य मंत्री ने सभी प्रमुख अस्पतालों को अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों और आधुनिक मशीनों से लैस करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नई तकनीक और बेहतर संसाधनों के माध्यम से मरीजों को उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। बैठक में अस्पतालों में उपलब्ध सुपर स्पेशियलिटी सेवाओं और उपचार व्यवस्था के विस्तार की भी समीक्षा की गई।

आयुष्मान और मुख्यमंत्री सहायता कोष का अधिक उपयोग : बैठक में मुख्यमंत्री सहायता कोष और आयुष्मान भारत योजना का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों की महंगी और जटिल सर्जरी भी बिना वित्तीय बाधा के कराई जानी चाहिए। इसके लिए अस्पतालों को दोनों योजनाओं का प्रभावी उपयोग करने के निर्देश दिए गए।

अस्पतालों में डिस्प्ले बोर्ड और स्टाफ की कमी होगी दूर : मरीजों और उनके परिजनों की सुविधा के लिए सभी अस्पतालों के बाहर बड़े और स्पष्ट डिस्प्ले बोर्ड लगाने के निर्देश दिए गए। इन बोर्डों पर अस्पताल में उपलब्ध विभागों, विशेषज्ञ डॉक्टरों, प्रमुख चिकित्सा सुविधाओं और सर्जरी संबंधी सेवाओं की जानकारी प्रदर्शित की जाएगी। इसके साथ ही ओटी असिस्टेंट, ओटी तकनीशियन, डाटा ऑपरेटर तथा मेडिकल कॉलेजों में असिस्टेंट प्रोफेसर और एसोसिएट प्रोफेसर के रिक्त पदों को जल्द भरने का भी निर्देश दिया गया।

नियमित मॉनिटरिंग से बेहतर होगी स्वास्थ्य व्यवस्था : बैठक के अंत में स्वास्थ्य मंत्री निशांत ने कहा कि बिहार के सभी अस्पतालों में स्वास्थ्य सुविधाओं का लगातार विस्तार किया जाएगा और मरीजों को बेहतर, गुणवत्तापूर्ण तथा समयबद्ध इलाज उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग नियमित मॉनिटरिंग के माध्यम से अस्पतालों की कार्यप्रणाली पर नजर रखेगा, ताकि राज्य की स्वास्थ्य सेवाएं अधिक

रोक के बावजूद नवनिर्मित लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे पर चढ़े बाइक सवार दो दोस्त, हादसे में मौत

लखनऊ, एजेंसी। नवनिर्मित लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे पर बुधवार को जिम्मेदारों की लापरवाही की वजह से बाइक सवार दो दोस्तों हिमांशु (25) और शैलेंद्र सिंह (24) की हादसे में मौत हो गई। शाम के समय दोनों की बाइक की टक्कर गलत दिशा से आ रहे अज्ञात वाहन से हो गई।

उन्नाव के अर्जुनामऊ निवासी हिमांशु सिंह हरदोई संडीला निवासी अपने दोस्त शैलेंद्र सिंह के साथ बुधवार शाम करीब पांच बजे बाइक से घर जा रहे थे। वह जुनाबगंज के पास से नवनिर्मित लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे पर चढ़ गए। बंथरा कस्बे के ऊपर पॉइंट 20.5 किलोमीटर के पास गलत दिशा में आ रहे तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की उनकी बाइक से टक्कर हो गई। दोनों दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंची बंथरा पुलिस ने दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरोजनीनगर में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने हिमांशु को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल शैलेंद्र को ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया। इलाज के दौरान कुछ ही देर में शैलेंद्र की भी मौत हो गई। पुलिस ने दोनों के परिजनों को हादसे की सूचना दे दी है। इंस्पेक्टर बंथरा राणा राजेश सिंह का कहना है कि बाइक सवार युवक हेलमेट नहीं लगाए थे। अभी किसी के भी परिजन ने तहरीर नहीं दी है। तहरीर मिलने पर एफआईआर दर्ज की जाएगी।

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे मंगलवार को आम लोगों के लिए खोला गया। इसके तुरंत बाद ही बड़ी लापरवाही सामने आई है। रोक के बावजूद बड़ी संख्या में बाइक सवार एक्सप्रेसवे पर चढ़ रहे हैं, जबकि इस पर बाइक चलाने पर रोक है। वहीं गलत दिशा में वाहन भी दौड़ रहे हैं। जिम्मेदार इन पर नियंत्रण नहीं लगा पा रहे हैं।लोगों का कहना है कि कई चार पहिया वाहन चालक टोल तक जाकर गलत दिशा में वापस लौट रहे हैं। बुधवार शाम इसी वजह से हादसा हुआ।

प्रदेश सरकार का बड़ा फैसला

दिव्यांग व असहाय लोगों के घर पहुंचाया जाएगा राशन, फसलों पर बढ़ेगी एमएसपी

लखनऊ, एजेंसी। प्रदेश में दिव्यांग और अकेले रहने वाले बुजुर्ग राशनकार्ड धारकों को अब राशन लेने के लिए दुकान तक नहीं जाना पड़ेगा। ऐसे लोगों को राशन उनके घर पर पहुंचाया जाएगा। ये जानकारी खाद्य एवं रसद और नागरिक आपूर्ति मंत्री मनोज कुमार पांडेय ने बुधवार को दी। उन्होंने लोकभवन में आयोजित प्रेस वार्ता में कहा कि सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र व्यक्ति सिर्फ असहाय या शारीरिक रूप से अक्षम होने के कारण राशन से वंचित न रहे। इसके लिए सार्वजनिक वितरण प्रणाली में कई सुधार किए गए हैं। अब ऐसी खबरें नहीं आती हैं कि किसी परिवार ने राशन न मिलने के कारण आत्महत्या कर ली।

सरकार ने पूरी व्यवस्था को तकनीक आधारित व पारदर्शी बनाया है, जिससे पात्र लाभार्थियों तक समय पर खाद्यान्न पहुंच रहा है।मंत्री ने बताया कि जुलाई 2026 से राशन दुकानों पर खाद्यान्न पहुंचने और वितरण की तिथि की सूचना लाभार्थियों को एसएमएस के जरिये भेजी जा रही है।

भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के डिपो से उचित दर दुकानों तक खाद्यान्न ले जाने वाले वाहनों की जीपीएस से निगरानी की जा रही है, जिससे वितरण व्यवस्था पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सके।मंत्री ने बताया कि खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में 60 लाख मीट्रिक टन धान खरीद के लक्ष्य के मुकाबले 62.30 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा गया, जिससे 10.53 लाख किसानों को लाभ मिला।

वहीं, वर्ष 2017-18 से 2026-27 तक 55.89 लाख किसानों से 265.82 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की गई है। मनोज पांडेय ने कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीद का दायरा लगातार बढ़ाया गया है। वर्ष 2023-24 से ज्वार और 2018-19 से मक्का की एमएसपी पर खरीद शुरू की गई।

अब प्याज की पूरे साल होगी खेती, बढ़ेगा मुनाफा

लखनऊ, एजेंसी। अक्तूबर से लेकर मार्च के बीच प्याज की कमी की वजह से इसके दाम में होने वाली बढ़ोतरी से अब घबराने की जरूरत नहीं है। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) के वैज्ञानिकों ने आठ वर्षों के शोध के बाद ऐसी तकनीक विकसित की है जिससे खरीफ और लेट खरीफ मौसम में भी प्याज की भरपूर खेती की जा सकेगी।

बागवानी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुतनु माजी के निर्देशन में शोधार्थी डॉ. माता प्रसाद, डॉ. माया राम और डॉ. रमेश चंद्र मीणा ने यह तकनीक विकसित की है। शोधकर्ताओं का दावा है कि इससे किसानों के लिए सालभर प्याज उत्पादन का रास्ता खुलेगा और प्याज की कमी व कीमतों में बढ़ोतरी को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकेगा।

डॉ. सुतनु माजी के अनुसार, भारत में प्याज एक महत्वपूर्ण व्यावसायिक सब्जी है। सामान्यतः इसकी खेती रबी मौसम में होती है। अप्रैल-मई में तैयार फसल सितंबर-अक्तूबर तक बाजार में रहती है। इसके बाद अक्तूबर से मार्च के बीच आपूर्ति घट जाती है। इससे प्याज की कीमतों में तेज वृद्धि होती है। खरीफ मौसम में उत्पादन इस अंतर को कम कर सकता है। भारत प्याज उत्पादन में चीन के बाद दूसरे स्थान पर है। हालांकि, उत्पादकता अभी भी कम है। खरीफ में भी प्याज की सफल खेती के लिए सही किस्म का चयन, वैज्ञानिक तरीके से नर्सरी तैयार करना, समय पर रोपाई, जल निकासी और संतुलित पोषक प्रबंधन सबसे महत्वपूर्ण हैं।

अध्ययन में यह भी पाया गया कि लखनऊ क्षेत्र की क्षारीय मिट्टी (पीएच 7.6 से अधिक) में भीमा राज, भीमा शक्ति, एल-883 और एग्रीफाउंड डार्क रेड किस्मों ने बेहतर प्रदर्शन किया है। भीमा सुपर और एन-53 भी खरीफ मौसम के लिए उपयुक्त रहीं। शोधकर्ताओं के अनुसार, खरीफ प्याज की भंडारण क्षमता अपेक्षाकृत कम होती है, इसलिए इसकी शीघ्र बिक्री अधिक लाभकारी रहती है।

नई तकनीक से मिलेगा चार गुना लाभ : डॉ. सुतनु माजी ने बताया कि इस तकनीक से खेती करने पर किसानों को चार से पांच गुना लाभ मिल सकता है। इसके लिए किसान अस्थायी संरक्षित ढांचे के तहत उठी हुई क्यारियां बनाएं। मिट्टी का उपचार फॉर्मेलिन या कैप्टान से करें। खरीफ उत्पादन के लिए जुलाई के पहले सप्ताह से अगस्त तक बोआई करें। बोआई से पहले बीजों को थिरम से उपचारित करें। बीजों को 5-7 सेंटीमीटर की दूरी पर कतार में बोएं। एक एकड़ के लिए 4-5 किलोग्राम बीज पर्याप्त है। 40-50 दिन पौध रोपाई के लिए उपयुक्त है। अगस्त के अंतिम सप्ताह से अक्तूबर के पहले सप्ताह तक रोपाई करने पर अच्छी उपज मिलती है।

रोपाई की दूरी 10म15 सेंटीमीटर रखें। जलभराव से बचाव की व्यवस्था करें। खेत की तैयारी के समय 20 टन प्रति हेक्टेयर गोबर की खाद मिलाएं। एनपीके उर्वरक 120:60:80 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर दें। किसानों को सलाह है कि वे कटाई से कम से कम सात दिन पहले सिंचाई बंद कर दें।

काशी में 1.6 मिमी बारिश के बाद तीखी धूप ने दिलाई मई-जून की याद, दो दिन बाद बदलेगा मौसम

वाराणसी, एजेंसी। काशी में कमजोर मानसून ने ही बुधवार की तड़के सुबह 15 से 20 मिनट में 1.6 मिलीमीटर बारिश करा दी। 11 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चली। इसके बाद पूरे दिन उमस और तीखी धूप वाली गर्मी ने मई-जून की याद दिला दी।

जिले का अधिकतम तापमान सामान्य से 3.1 डिग्री ज्यादा 37 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान सामान्य से सामान्य से 0.5 डिग्री ज्यादा 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा में नमी 89 फीसदी तक आ गई। यूपी आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ विज्ञानी डॉ. अतुल कुमार सिंह ने बताया कि बंगाल की खाड़ी में बने निम्नदाब क्षेत्र के प्रभाव से अगले 48 घंटों के बाद मानसूनी सक्रियता बढ़ सकती है। वहीं 19 जुलाई को जिले में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है।

17 जुलाई के बाद प्रदेश में मानसूनी सक्रियता बढ़ सकती है। प्रादेशिक बारिश में वृद्धि और तापमान प्रभावी गिरावट के कारण प्रदेश में पड़ रही उमस भरी गर्मी से राहत मिलने की संभावना है।

पाकिस्तानी आका के संपर्क में थे बिहार के दो युवक, सीतामढ़ी से गिरफ्तार

सीतामढ़ी, एजेंसी। बिहार के सीतामढ़ी जिले से बड़ी खबर सामने आई है। गाढ़ा थाना पुलिस ने देश विरोधी गतिविधियों में कथित संलिप्तता के आरोप में दो संदिग्ध युवकों को गिरफ्तार किया है। एनआईए से मिली रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई की है। पुलिस का दावा है कि दोनों के पाकिस्तान स्थित एक संदिग्ध से सोशल मीडिया के माध्यम से संपर्क के पुख्ता साक्ष्य मिले हैं।

सीतामढ़ी से दो युवक गिरफ्तार: सीतामढ़ी पुलिस ने गाढ़ा थाना क्षेत्र के टकौर गांव निवासी मोहम्मद अखलाक और मोहम्मद अरमान को गिरफ्तार किया है। जांच एजेंसी के अनुसार, दोनों पर पाकिस्तान स्थित संदिग्ध तत्वों के संपर्क में रहकर देश विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है। पुलिस ने संदिग्धों से पूछताछ के बाद कोर्ट में पेश किया, जहां से दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। मामले में सीतामढ़ी जिले की गाढ़ा थाना पुलिस ने कांड संख्या-78/26 दर्ज किया गया है और आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

पाकिस्तान से कनेक्शन, क्या था मकसद?: सीतामढ़ी पुलिस के अनुसार, शुरुआती जांच में यह भी सामने आया है कि दोनों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए समाज में अशांति फैलाने और देश विरोधी गतिविधियों के लिए कथित तौर पर उकसाया जा रहा था। फिलहाल पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां पूरे मामले की गहन जांच में जुटी हैं।

सीतामढ़ी पुलिस ने क्या कहा?: पुलिस अधीक्षक कार्यालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, ''दोनों आरोपियों के मोबाइल फोन, सोशल मीडिया अकाउंट और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को जब्त कर लिया है। इनकी डिजिटल फॉरेंसिक जांच कराई जा रही है ताकि यह स्पष्ट हो सके कि पाकिस्तान स्थित संदिग्धों के साथ बातचीत का दायरा कितना बड़ा था और किन-किन लोगों से संपर्क स्थापित किया गया था। इसके अलावा पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या किसी अन्य व्यक्ति

को भी इस नेटवर्क से जोड़ने का प्रयास किया गया था।''

पाकिस्तान के नंबर से चैट: पुलिस के अनुसार, दोनों संदिग्ध इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए पाकिस्तान में बैठे एक कथित आतंकी राणा हसनैन के संपर्क में थे। जांच के दौरान जब दोनों के मोबाइल फोन की तकनीकी पड़ताल की गई तो उसमें पाकिस्तान के नंबर, चैट और अन्य डिजिटल साक्ष्य मिलने का दावा किया गया है।

सोशल मीडिया के जरिए हो रहा था संपर्क: जांच एजेंसियों के मुताबिक, गिरफ्तार दोनों युवकों के मोबाइल फोन से ऐसे डिजिटल साक्ष्य मिले हैं, जिनसे पता चलता है कि वे लंबे समय से सोशल मीडिया के माध्यम से पाकिस्तान में बैठे लोगों के संपर्क में थे। पुलिस का कहना है कि इन प्लेटफॉर्म के जरिए उन्हें समाज में सांप्रदायिक तनाव फैलाने, मॉब लिंचिंग जैसी घटनाओं को बढ़ावा देने और देश विरोधी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए कथित रूप से निर्देश दिए जा रहे थे।

ऑनलाइन माध्यम से मिल रहा था प्रशिक्षण: प्राथमिक जांच में यह भी सामने आया है कि दोनों संदिग्धों को ऑनलाइन माध्यम से लगातार प्रशिक्षण और मार्गदर्शन भी दिया जा रहा था। हालांकि, पुलिस अभी इस बात की भी जांच कर रही है कि इन निर्देशों पर किसी तरह की कार्रवाई की गई थी या नहीं।

कटिहार केस से भी जुड़ रहे तार: पुलिस जांच में एक और अहम खुलासा हुआ है। अधिकारियों के अनुसार, वर्ष 2026 में कटिहार जिले में दर्ज कांड संख्या 229/2026 के आरोपियों के साथ भी दोनों गिरफ्तार युवकों का लगातार संपर्क था। कटिहार में दर्ज इस मामले की जांच पहले से चल रही है और अब सीतामढ़ी में हुई गिरफ्तारी के बाद दोनों मामलों के बीच संभावित संबंधों की भी जांच की जा रही है।

एक अन्य संदिग्ध की तलाश जारी: जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि क्या यह कोई संगठित नेटवर्क है या फिर सोशल मीडिया के जरिए युवाओं को कट्टरपंथ और देश विरोधी गतिविधियों की ओर प्रेरित किया जा रहा था। इस मामले में पुलिस ने गाढ़ा थाना क्षेत्र के टकौर गांव निवासी अब्दुल अहद को भी संदिग्ध माना है। पुलिस उसकी तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि अब्दुल अहद की गिरफ्तारी के बाद इस पूरे नेटवर्क के बारे में और महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आ सकती हैं।

प्रथम प्रकाशन 1878 भारतमित्र

भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा में उमड़ा श्रद्धालुओं का उत्साह

103 वर्ष पुरानी पीतल रथयात्रा में उमड़ा जनसैलाब

रानीगंज/ आसनसोल/दुर्गापुर। शिल्पांचल में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा धूमधाम से निकली । मंत्री से लेकर आम जनता तक भक्ति भाव में तल्लीन दिखे । गुरुवार को रानीगंज की ऐतिहासिक एवं 103 वर्ष पुरानी पीतल रथयात्रा श्रद्धा, परंपरा और सांस्कृतिक वैभव के साथ संपन्न हुई। लोगों ने पुष्पवर्षा कर भगवान श्रीजगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा का स्वागत किया। सियारसोल राजपरिवार की इस दुर्लभ धार्मिक धरोहर के दर्शन और रथ की रस्सी खींचने के लिए हजारों श्रद्धालु दूर-दूर से रानीगंज पहुंचे। पूरे नगर में ₹जय जगन्नाथ₹ के उद्घोष, भजन-कीर्तन और धार्मिक उल्लास के बीच रथयात्रा का भव्य आयोजन संपन्न हुआ।

इस अवसर पर राज्य सरकार के मंत्री अग्निमित्रा पाल एवं अजय पोद्दार सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और गणमान्य व्यक्तियों ने भी रथ की रस्सी खींचकर भगवान श्रीजगन्नाथ से प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति और जनकल्याण की प्रार्थना की। श्रद्धालुओं ने इसे सौभाग्य और आध्यात्मिक आस्था का प्रतीक बताया। ऐतिहासिक परंपरा के अनुसार विशाल पीतल का रथ नई राजबाड़ी से यात्रा प्रारंभ कर पुरानी राजबाड़ी तक पहुंचा। मार्ग के दोनों ओर श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। धार्मिक वातावरण में भक्ति का अनुपम दृश्य देखने को मिला।

स्थानीय इतिहास के अनुसार वर्ष 1925 से पूर्व यहां लकड़ी के रथ पर भगवान श्रीजगन्नाथ की यात्रा निकाली जाती थी। बाद में अग्निकांड में उस रथ के नष्ट हो जाने के उपरांत सियारसोल राजपरिवार के सदस्य प्रमथनाथ मालिया ने कोलकाता के प्रसिद्ध शिल्पकारों से भव्य पीतल का रथ बनवाया। तभी से यह अद्वितीय रथ क्षेत्र की धार्मिक पहचान बन गया। इस रथ की विशेषता इसकी उत्कृष्ट शिल्पकला है। रथ के चारों ओर रामायण, महाभारत तथा भगवान श्रीकृष्ण की विविध लीलाओं को आकर्षक मूर्तिकला के माध्यम से उकेरा गया है। रथ में भगवान श्रीजगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा के साथ राजपरिवार के कुलदेवता श्री दामोदर चंद्र जिउ भी विराजमान रहते हैं, जो इसकी विशिष्ट धार्मिक परंपरा को और अधिक गौरव प्रदान करते हैं।

रथयात्रा के साथ प्रारंभ हुआ पारंपरिक मेला भी श्रद्धालुओं और पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बना रहा। मेले में कृषि उपकरण, हस्तशिल्प, घरेलू उपयोग की वस्तुएं, पौधों की नर्सरी, पारंपरिक अचार, श्रृंगार सामग्री, खिलौने तथा स्थानीय व्यंजनों की दुकानों पर दिनभर भारी भीड़ रही।

बच्चों के लिए झूले और मनोरंजन के अन्य साधनों ने उत्सव का आकर्षण और बढ़ा दिया।

मंत्रियों और विधायकों ने खींचा भगवान जगन्नाथ का रथ

रानीगंज । पवित्र रथयात्रा के अवसर पर रानीगंज के सियारसोल क्षेत्र में लगभग 150 वर्षों पुरानी ऐतिहासिक रथयात्रा का भव्य आयोजन किया गया। हर वर्ष की तरह इस बार भी भगवान जगन्नाथ, देवी सुभद्रा और बलराम की रथयात्रा पूरे धार्मिक उत्साह और श्रद्धा के साथ निकाली गई।

बड़ी संख्या में भक्त भगवान के रथ की रस्सी को स्पर्श कर पुण्य अर्जित करने के लिए उत्साहित दिखाई दिए। पूरे क्षेत्र में ₹जय जगन्नाथ₹ के जयघोष से वातावरण भक्तिमय हो उठा।

इस अवसर पर पश्चिम बंगाल सरकार के मंत्री डॉ. अजय कुमार पोद्दार और अग्निमित्रा पाल, रानीगंज के भाजपा विधायक पार्थो घोष तथा जामुड़िया के भाजपा विधायक डॉ. बिजन मुखर्जी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने श्रद्धापूर्वक भगवान जगन्नाथ के रथ की रस्सी खींचकर पूजा-अर्चना की और प्रदेशवासियों के सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की।

मंत्री अग्निमित्रा पाल ने खींचा भगवान जगन्नाथ का रथ

आसनसोल । पवित्र रथ यात्रा के अवसर पर आसनसोल में आस्था और श्रद्धा का भव्य नजारा देखने को मिला। बुधा मैदान से भगवान जगन्नाथ, देवी सुभद्रा और भगवान बलराम का रथ हजारों श्रद्धालुओं की जयघोष और हरिनाम संकीर्तन के बीच निकाला गया। इस अवसर पर राज्य की मंत्री एवं आसनसोल दक्षिण की विधायक अग्निमित्रा पाल ने स्वयं रथ की रस्सी खींचकर यात्रा का शुभारंभ किया। उन्होंने श्रद्धालुओं के साथ हरिनाम संकीर्तन में भाग लिया और कीर्तन की मधुर धुन पर उत्साहपूर्वक नृत्य किया। उन्होंने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस के शासनकाल में रथ यात्रा में इतनी बड़ी संख्या में लोग शामिल नहीं हो पाते थे, लेकिन आज राज्य में भयमुक्त वातावरण बनने से हजारों श्रद्धालु बिना किसी डर के उत्साहपूर्वक रथ यात्रा में भाग ले रहे हैं। मंत्री अग्निमित्रा पाल ने रथ की रस्सी खींचने के साथ-साथ श्रद्धालुओं के साथ हरिनाम संकीर्तन में भी भाग लिया और भगवान जगन्नाथ की भक्ति में पूरी तरह लीन दिखाई दीं। उन्होंने कहा कि भगवान जगन्नाथ सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लाएं तथा राज्य में शांति और विकास बना रहे।

कीर्तन की धुन पर किया नृत्य

कल्याणेश्वरी लेफ्ट बैंक में धूमधाम से निकली पारंपरिक रथ यात्रा

सालानपुर । सालानपुर ब्लॉक के कल्याणेश्वरी लेफ्ट बैंक स्थित राधा रासबिहारी मंदिर से जुड़े श्री श्री सच्चिदानंद शांतिधाम में पारंपरिक रथ यात्रा उत्सव इस वर्ष भी श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। हर साल की तरह इस बार भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस धार्मिक आयोजन में शामिल हुए। कार्यक्रम का उद्घाटन बाराबनी के विधायक अरिजीत रॉय ने किया। उद्घाटन के बाद लेफ्ट बैंक क्षेत्र से भव्य रथ यात्रा निकाली गई। भगवान जगन्नाथ, बलराम और सुभद्रा को विराजमान किए गए तीन आकर्षक एवं सुसज्जित रथ रूपनारायणपुर की ओर रवाना हुए। रथ की रस्सी खींचने और भगवान के दर्शन के लिए मार्ग के दोनों ओर हजारों श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। पूरे क्षेत्र में भक्तिमय माहौल देखने को मिला।

रथ यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। किसी भी अप्रिय घटना से बचने और यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था। पुलिस की निगरानी में पूरा आयोजन शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ।

बर्नपुर में 'आमरा अजीत' वृद्धाश्रम की रखी गई आधारशिला

आसनसोल/बर्नपुर । पश्चिम बंगाल सरकार की मंत्री अग्निमित्रा पाल ने गुरुवार को बर्नपुर स्थित दामोदर नदी के तट पर बनने वाले 'आमरा अजीत' वृद्धाश्रम की आधारशिला रखी। इस वृद्धाश्रम का निर्माण लायंस क्लब ऑफ आसनसोल उदयन की ओर से कराया जा रहा है।

शिलान्यास समारोह में लायंस क्लब के कई वरिष्ठ पदाधिकारी, समाजसेवी और गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी की मौजूदगी में विधिवत पूजा-अर्चना के बाद वृद्धाश्रम का शिलान्यास किया गया। मंत्री ने बताया कि इस वृद्धाश्रम का नाम 'आमरा अजीत' रखा गया है। उन्होंने लायंस क्लब ऑफ आसनसोल उदयन की इस सामाजिक पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह परियोजना समाज के वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक कदम साबित होगी।

नियामतपुर में मारवाड़ी युवा मंच ने लगाई ठंडे पानी की मशीन

नियामतपुर । भीषण गर्मी को देखते हुए मारवाड़ी युवा मंच, नियामतपुर शाखा की ओर से गुरुवार को जलधि कुमारी बालिका विद्यालय के सामने ₹अमृत धारा परियोजना₹ के तहत एक ठंडे पेयजल (वाटर कूलर) मशीन का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर शाखा के पदाधिकारी एवं सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। मारवाड़ी युवा मंच के सदस्यों ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य विद्यालय के छात्र-छात्राओं के साथ-साथ वहां से गुजरने वाले राहगीरों को शुद्ध एवं ठंडा पेयजल उपलब्ध कराना है, ताकि प्रचंड गर्मी के दौरान लोगों को राहत मिल सके।

उन्होंने बताया कि इससे पहले भी इसी स्थान पर एक ठंडे पानी की मशीन लगाई गई थी, लेकिन उचित रखरखाव के अभाव में वह खराब हो गई थी।

अब अमृत धारा परियोजना के अंतर्गत नई मशीन स्थापित की गई है, जिससे लोगों को फिर से इस सुविधा का लाभ मिल सकेगा।

निक्षय मित्र अभियान में टीबी मुक्त समाज का संकल्प

आसनसोल। क्षय रोग (टीबी) उन्मूलन की दिशा में जनभागीदारी को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से गुरुवार को पश्चिम बर्दवान जिले के आसनसोल स्थित कल्ला बाईपास चौराहे पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा ह्यनिक्षय मित्रह्ल अभियान के अंतर्गत जागरूकता एवं पोषण सहायता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, स्वास्थ्य अधिकारियों, समाजसेवियों तथा स्थानीय नागरिकों ने भाग लेकर टीबी मुक्त समाज के निर्माण का सामूहिक संकल्प दोहराया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि क्षय रोग का समय पर परीक्षण, नियमित उपचार तथा पर्याप्त पोषण इसके प्रभावी नियंत्रण के प्रमुख आधार हैं। उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक सक्षम नागरिक, स्वयंसेवी संस्था तथा सामाजिक संगठन को ह्यनिक्षय मित्रह्ल बनकर टीबी रोगियों के सहयोग के लिए आगे आना चाहिए। इससे रोगियों का मनोबल बढ़ेगा और उपचार की सफलता की संभावना भी अधिक होगी।

झिनुक फाउंडेशन ने लगाया रक्तदान शिविर

आसनसोल । झिनुक फाउंडेशन की ओर से गुरुवार को रवींद्र भवन में स्वर्गीय दिलीप बनर्जी की स्मृति में एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने रक्तदान कर मानव सेवा के इस अभियान में अपनी भागीदारी निभाई।

इस अवसर पर झिनुक फाउंडेशन से जुड़ी चंद्रानी बनर्जी ने बताया कि उनके ससुर स्वर्गीय दिलीप बनर्जी का निधन रथ यात्रा के दिन हुआ था। उनकी पावन स्मृति को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करने के उद्देश्य से इस रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है।

उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है और इससे जरूरतमंद मरीजों की जान बचाई जा सकती है। इसी सोच के साथ फाउंडेशन समय-समय पर ऐसे जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित करता रहता है।

अपकार गार्डन में दुर्गोत्सव की तैयारियां शुरू

आसनसोल। रथयात्रा के पावन पर्व के उपरांत गुरुवार को शहर के अपकार गार्डन दुर्गा पूजा समिति परिसर में पारंपरिक विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच खूंटी पूजन का आयोजन श्रद्धा, आस्था और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस धार्मिक अनुष्ठान के साथ ही आगामी शारदीय दुर्गोत्सव की तैयारियों का औपचारिक शुभारंभ हो गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, समिति पदाधिकारियों तथा स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति ने आयोजन को भव्य स्वरूप प्रदान किया। सनातन परंपरा के अनुसार रथयात्रा के बाद संपन्न होने वाला खूंटी पूजन मां दुर्गा के आगमन की तैयारियों का प्रथम धार्मिक अनुष्ठान माना जाता है। इसी दिन पंडाल निर्माण के लिए निर्धारित स्थान का पूजन कर शुभ कार्यों का आरंभ किया जाता है।

मान्यता है कि इस विधि-विधान से समस्त आयोजन निर्विघ्न संपन्न होता है तथा क्षेत्र में सुख, समृद्धि और मंगल का संचार होता है। इस अवसर पर आसनसोल उत्तर विधानसभा क्षेत्र के विधायक कृष्णेंदु मुखर्जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि खूंटी पूजन के साथ ही पंडाल निर्माण, विद्युत सज्जा, सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रूपरेखा, सुरक्षा व्यवस्था तथा श्रद्धालुओं की सुविधाओं से जुड़े सभी कार्य चरणबद्ध ढंग से प्रारंभ कर दिए जाएंगे। इस वर्ष पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और सुरक्षा मानकों को विशेष प्राथमिकता देने का निर्णय लिया गया है।

कई मार्गों पर बदला आवागमन संचालन

आसनसोल/दुर्गापुर। गुरुवार को रथयात्रा महोत्सव के अवसर पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़, शोभायात्राओं और धार्मिक आयोजनों को सुरक्षित एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से आसनसोल-दुर्गापुर पुलिस आयुक्तालय ने विशेष यातायात प्रबंधन योजना लागू की। पुलिस आयुक्त डॉ. प्रणव कुमार के निर्देशानुसार प्रातः 10 बजे से धार्मिक कार्यक्रमों की समाप्ति तक शहर के अनेक प्रमुख मार्गों पर यातायात प्रतिबंध, मार्ग परिवर्तन तथा डायवर्जन व्यवस्था प्रभावी रही।

आसनसोल दक्षिण थाना क्षेत्र में हट्टन रोड, इस्माइल मोड़, सानी मंदिर मार्ग, कालीपहाड़ी मोड़, आश्रम मोड़, बुधा मोड़, पंपू तालाब मोड़, बीएनआर मोड़ तथा भगत सिंह मोड़ सहित अनेक संवेदनशील स्थानों पर बड़े और छोटे वाहनों के आवागमन को नियंत्रित किया गया। भारी वाहनों को निर्धारित वैकल्पिक मार्गों से भेजने की व्यवस्था की गई, जिससे धार्मिक जुलूसों के मार्ग पर किसी प्रकार का अवरोध उत्पन्न न हो। हीरापुर थाना क्षेत्र में कोर्ट मोड़, विद्यासागर प्रतिमा चौक, गैलेक्सी मॉल मोड़, पोलो ग्राउंड मार्ग, धुपडंगाल रेलवे गेट तथा हाउसिंग मोड़ के आसपास विशेष यातायात नियंत्रण लागू किया गया। बर्नपुर की ओर से आने वाले वाहनों को वैकल्पिक मार्गों से उनके गंतव्य की ओर भेजा गया, जिससे शहर के मध्य भाग में यातायात का दबाव कम किया जा सके।

रानीगंज थाना क्षेत्र में पंजाबी मोड़, गिरजापाड़ा मोड़, मंगलपुर मोड़, टीबी अस्पताल जलाशय क्षेत्र तथा राजबाड़ी मोड़ को अत्यधिक संवेदनशील घोषित कर यहां विशेष पुलिस बल की तैनाती की गई।

राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-19 तथा एनएच-60 से आने वाले वाहनों को आवश्यकता के अनुसार विभिन्न वैकल्पिक मार्गों पर मोड़ा गया, ताकि रथयात्रा मार्ग पूरी तरह सुरक्षित और निर्बाध बना रहे।

दुर्गापुर थाना क्षेत्र में वसुंधरा रोटरी, रघुनाथपुर मोड़, अकबर रोटरी, एनेक्स रोटरी, एलआईसी रोटरी, चित्राला मार्ग, प्रांतिका मोड़ तथा भिरंगी अंडरपास के आसपास भी विशेष यातायात व्यवस्था लागू की गई। बड़ी बसों और मालवाहक वाहनों को लिंक रोड एवं अन्य निर्धारित मार्गों से संचालित किया गया।

पुलिस ने दस दिन में बरामद किया चोरी का सामान

रूपनारायणपुर । सालानपुर थाने के तहत रूपनारायणपुर पुलिस चौकी ने चोरी की एक बड़ी वारदात का महज 10 दिनों के भीतर खुलासा करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए चोरी गए भारी मात्रा में सोने-चांदी के आभूषण और अन्य कीमती सामान बरामद कर लिए हैं। पुलिस और स्थानीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, बीते 6 जुलाई की रात रूपनारायणपुर स्टेशन रोड से सटे पश्चिम रांगामाटिया इलाके के निवासी 'पंडित बाबू' के सूने मकान में चोरी की एक बड़ी वारदात को अंजाम दिया गया था। परिवार के सदस्य कुछ दिनों के लिए बाहर गए हुए थे, जिसका फायदा उठाकर बदमाशों ने घर का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया। इसके बाद अलमारी और लॉकर को खंगालकर भारी मात्रा में सोने-चांदी के गहने और नकदी लेकर फरार हो गए थे। घर के मालिक द्वारा चोरी की शिकायत दर्ज कराने के बाद से ही रूपनारायणपुर पुलिस चौकी के प्रभारी सुमंगल सरकार के नेतृत्व में पुलिस जांच में जुट गई थी। पुलिस ने इलाके में सघन तलाशी अभियान चलाने के साथ-साथ सादे कपड़ों में गुप्त निगरानी भी शुरू कर दी थी। घटना के करीब एक सप्ताह बाद, बीते 12 जुलाई की देर रात पुलिस को इलाके में एक युवक संदिग्ध रूप से घूमता हुआ दिखाई दिया। संदेह होने पर पुलिस ने उसे रंगे हाथों दबोच लिया। गिरफ्तार युवक की पहचान अभित पाशी (20) के रूप में हुई है, जो झारखंड के मिहिजाम का रहने वाला है।

पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश कर 5 दिनों की पुलिस रिमांड पर लिया। इस–के बाद हिरासत में लेकर जांचकताओं ने उससे पूछताछ शुरू की। पुलिसिया पूछताछ (कड़ी पूछताछ) के आगे आरोपी टूट गया और उसने कुबूल किया कि चोरी का सामान उसने कहाँ-कहाँ बेचा है। आरोपी के बयान के आधार पर पुलिस ने विभिन्न जगहों पर छापेमारी कर चोरी की शत-प्रतिशत सामग्रियां बरामद कर लीं।

बरामद किए गए सामानों में 2 सोने के कंगन (बाला), सोने के झुमके, कई अंगूठियां , ब्रेसलेट, 1 बड़ी चांदी की चेन, 3 छोटी चेन, 1 कमरबंद (बिछे) और 1 चांदी की कमर-चेन समेत 1 महंगा कैमरा और 2 हाथ घड़ियां मौजूद है।

रोहिंग्या-बांग्लादेशी घुसपैठ नेटवर्क पर बंगाल, दिल्ली, हरियाणा समेत कई राज्यों में ईडी का छापा

नई दिल्ली । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने विदेशी फंडिंग और रोहिंग्या एवं बांग्लादेशी नागरिकों की घुसपैठ नेटवर्क से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गुरुवार को दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों में छापेमारी की। इस दौरान पश्चिम बंगाल के कलिलकापुर स्थित हरौरा अल-जमीयतुल इस्लामिया दारुल उलूम से 40 लाख रुपये नकद और 180 ग्राम वजन के सोने के सिक्के बरामद किए गए। ईडी ने बताया कि परिसर के प्रभारी व्यक्ति से इस धन और सोने के बारे में कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला, जिस्के बाद इसे धन शोधन निवारण अधिनियम-2002 की धारा 17 के तहत जब्त कर लिया गया। ईडी ने कहा कि छापेमारी के दौरान डिजिटल उपकरण, दस्तावेज और अन्य आपत्तिजनक सामग्री भी जब्त की गई है, जिनकी जांच की जा रही है। संबंधित व्यक्तियों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। एजेंसी ने बताया कि यह कार्रवाई एक संगठित गिरोह पर की गई है, जो अंतरराष्ट्रीय सीमा के जरिए अवैध घुसपैठ कराने, फर्जी आधार, पैन कार्ड और पासपोर्ट बनवाने तथा विदेशी धन के सहारे घुसपैठियों को भारत में बसाने का काम करता था।

प्रारंभिक जांच में सामने आया था कि विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) के तहत पंजीकृत कुछ सार्वजनिक धर्मार्थ ट्रस्ट इस नेटवर्क से जुड़े हुए थे। इन ट्रस्टों को ब्रिटेन स्थित संस्थाओं से धन प्राप्त होता था, जिसे बाद में छोटी-छोटी किश्तों में संदिग्ध व्यक्तियों को भेजा जाता था, ताकि उन्हें भारत में स्थायी रूप से बसने में मदद मिल सके। इस धन का उपयोग ई-रिक्शा खरीदने, रोजगार उपलब्ध कराने और नकद सहायता देने जैसे कार्यों में किया जाता था। ईडी के मुताबिक, पश्चिम बंगाल के सीमावर्ती जिलों में सक्रिय एक समूह अवैध घुसपैठ कराने में मदद करता था, जबकि दूसरा समूह इन घुसपैठियों के लिए फर्जी दस्तावेज तैयार करता था।

दोनों समूहों के बीच समन्वय के जरिए अवैध प्रवासियों को देश के विभिन्न हिस्सों में भेजा जाता था। तलाशी अभियान के दौरान जिन प्रमुख स्थानों को कवर किया गया उनमें उत्तर 24 परगना स्थित कबीरबाग मिल्लत अकादमी, हरोआ अल-जमीयतुल इस्लामिया दारुल उलूम, तहिरिया वेलफेयर ट्रस्ट, दक्षिण दिल्ली के बाटला हाउस क्षेत्र में कुछ आवासीय परिसर, फरीदाबाद, देवबंद तथा पश्चिम बंगाल के विभिन्न जिलों में स्थित कई व्यक्तियों और संस्थाओं के ठिकाने शामिल हैं।

ईडी ने कहा कि जब्त डिजिटल साक्ष्यों और दस्तावेजों की विस्तृत जांच की जा रही है तथा मामले में आगे की जांच जारी है ।

भगवान जगन्नाथ की कृपा से लोगों के जीवन में नई ऊर्जा का संचार हो: प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज प्रातः भगवान जगन्नाथ का स्मरण किया। उन्होंने प्रभु से देशवासियों के जीवन में नई ऊर्जा का संचार करने की प्रार्थना की। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर एक्स में सुभाषितम् का ऑडियो-विजुअल साझा किया। भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा की शुरूआत आज ओडिशा के पुरी में हो रही है। दुनियाभर में लोकप्रिय इस यात्रा को देखने के लिए देश-विदेश से सैलानी पहुंचे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स पर सुभाषितम् ' देवदेव जगन्नाथ सुरासुरनमस्कृत। पुण्यश्लोकाव्ययानन्त परमात्मन्नमोऽस्तु ते॥' साझा करते हुए लिखा, ''महाप्रभु जगन्नाथ की रथयात्रा के पावन अवसर पर मेरी कामना है कि उनका आशीर्वाद हम सभी पर सदैव बना रहे। उनकी दिव्य कृपा से सभी देशवासियों के जीवन में नई ऊर्जा का संचार हो। '' ऑडियो-विजुअल में आवाज गूंजती है, ''देवताओं के भी देव और संपूर्ण जगत के स्वामी भगवान जगन्नाथ की देवताओं से लेकर समस्त प्राणी उपासना करते हैं। उनका यश पवित्र एवं कल्याणकारी हैं। वे अविनाशी, अनन्त तथा समस्त प्राणियों के हृदय में विराजमान परमात्मा हैं। ऐसे भगवान जगन्नाथ को बार-बार नमस्कार है।

ड्रोन से टीबी जांच हुई आसान, 15 दिन की जगह 5 दिन में मिली रिपोर्ट

नई दिल्ल । भारत में अब ड्रोन के जरिए टीबी (क्षय रोग) के बलगम के नमूनों को लैब तक पहुंचाने से जांच में लगने वाला समय काफी कम होने के साथ ही मरीजों का खर्च भी लगभग खत्म हो गया है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) की ड्रोन पहल के तहत किए गए एक अध्ययन में पारंपरिक व्यवस्था और ड्रोन आधारित नमूना परिवहन प्रणाली की तुलना की गई है।

तेलंगाना के यादाद्री-भुवनगिरी जिले में एम्स बिबीनगर और राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के सहयोग से किए गए इस अध्ययन में 840 लोगों को शामिल किया गया।

अध्ययन के अनुसार ड्रोन सेवा शुरू होने के बाद टीबी जांच की औसत (मीडियन) अवधि 15 दिन से घटकर 5 दिन रह गई और मरीजों का औसत जेब से होने वाला खर्च करीब 9,451 रुपये से घटकर केवल 91 रुपये रह गया। ड्रोन व्यवस्था के दौरान अधिकांश मरीजों को जांच के लिए यात्रा पर कोई खर्च नहीं करना पड़ा। परियोजना के तहत 11 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, 60 उप-स्वास्थ्य केंद्र और 4 टीबी यूनिट को ड्रोन नेटवर्क से जोड़ा गया। इससे मरीज अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर ही बलगम का नमूना जमा कर सके और ड्रोन उसे जांच प्रयोगशाला तक पहुंचाते रहे। आईसीएमआर के महानिदेशक एवं स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के सचिव डॉ. राजीव बहल ने कहा कि समय पर और किफायती जांच टीबी उन्मूलन के लिए बेहद जरूरी है। उनका कहना है कि यह अध्ययन दशार्ता है कि आधुनिक तकनीक के जरिए दूरदराज क्षेत्रों में रहने वाले लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचाई जा सकती हैं।अध्ययन में यह भी सामने आया कि ड्रोन के उपयोग से स्वास्थ्यकर्मियों का काम अधिक सुगम हुआ और समुदाय ने भी इस व्यवस्था को सकारात्मक रूप से स्वीकार किया।

हालांकि, खराब मौसम, ड्रोन की सीमित भार क्षमता और कर्मचारियों के प्रशिक्षण जैसी चुनौतियों पर भी ध्यान देने की जरूरत बताई गई।

आईसीएमआर के अनुसार यह अध्ययन फिलहाल एक जिले के अनुभव पर आधारित है। विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में ऐसे और अध्ययन किए जाने के बाद भविष्य में ड्रोन आधारित स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार पर निर्णय लेने में मदद मिलेगी।

सीबीआई ने केएपीएल के एमडी अनुराग दनायक को 5 लाख घूस लेते रंगे हाथों दबोचा

नई दिल्ली । केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने बेंगलुरु की कर्नाटक एंटीबायोटिक्स एंड फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड (केएपीएल) के प्रबंध निदेशक अनुराग दनायक को बुधवार को 5 लाख रुपये घूस लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। सीबीआई के मुताबिक दनायक ने भोपाल स्थित एक अधिकृत सेवा एजेंट फर्म से लगभग 15 लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। यह राशि सेवा एजेंट समझौते की मंजूरी, अतिरिक्त संस्थानों को जोड़ने के आवेदन और चालू वित्त वर्ष में दवाओं की बिक्री पर मिलने वाले कमीशन में हिस्सेदारी के लिए मांगी गई थी। उसे नोएडा में 5 लाख रुपये की रिश्वत लेते समय पकड़ा गया, जो कुल मांगी गई राशि का हिस्सा था। गिरफ्तारी के बाद सीबीआई ने दनायक के बेंगलुरु, नोएडा और जबलपुर स्थित आवास और कार्यालयों पर तलाशी ली। तलाशी में लगभग 75 लाख रुपये नकद, 4 लाख रुपये मूल्य की विदेशी मुद्रा, 697 ग्राम सोने के आभूषण और सिक्के (लगभग 86 लाख रुपये मूल्य) तथा एक फ्लैट के संपत्ति दस्तावेज बरामद किए गए। मामले की जांच अभी जारी है ।

स्कॉर्पियो से 330 किलो गांजा बरामद, तस्कर गिरफ्तार

अररिया । जिले की कुसार्कांटा थाना पुलिस ने गुप्त सूचना पर आज गुरुवार को सिकटी सीमावर्ती क्षेत्र से होकर आ रही एक सफेद रंग की स्कॉर्पियो गाड़ी से 330 किलो गांजा का बड़ा खेप बरामद किया।मामले में पुलिस ने मो.शमीम नामक तस्कर को गिरफ्तार किया है,जो कटिहार का रहने वाला है।यह कार्रवाई कुसार्कांटा थानाध्यक्ष रोहित कुमार के नेतृत्व में थाना की पूरी पुलिस टीम ने स्टैंड चौक के समीप नाकाबंदी कर की। कुसार्कांटा थानाध्यक्ष रोहित कुमार को गुप्त सूचना मिली थी कि सिकटी के सीमावर्ती क्षेत्र से एक स्कॉर्पियो गाड़ी कटिहार जा रही है और इस गाड़ी में गांजा का बड़ी मात्रा में खेप लोड है।सूचना पर कुसार्कांटा थानाध्यक्ष रोहित कुमार ने पुलिस अधिकारी और बलों के साथ तेजी से स्टैंड चौक के समीप बेरीकेडिंग कर गाड़ी की तलाशी लेनी शुरू की।

इसी क्रम में तेजी से आ रही सफेद रंग की स्कॉर्पियो गाड़ी संख्या बीआर 11 बीटी 7637 को रुकवाकर उनकी तलाशी लेनी शुरू की तो उसमें से गांजा के कई पैकेट बरामद हुए।

बेटों की याद में महिला ने काशी विश्वनाथ मंदिर को दिया तीन करोड़ का दान

वाराणसी । अपने पति और दोनों बेटों को खोने के बाद सांसारिक जीवन से विरक्त हुई तमिलनाडु की 80 वर्षीय एक महिला ने धार्मिक एवं जनकल्याण कार्यों के लिए श्री काशी विश्वनाथ मंदिर को तीन करोड़ रुपये का गुप्त दान दिया है। महिला की इच्छा का सम्मान करते हुए मंदिर प्रशासन ने उनकी पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी है। मंदिर प्रशासन के अनुसार महिला ने अपने दिवंगत दोनों पुत्रों की स्मृति में दो करोड़ रुपये तथा मंदिर के अन्नक्षेत्र के लिए एक करोड़ रुपये का चेक मंदिर न्यास को सौंपा।

इसे अब तक मंदिर को मिला सबसे बड़ा व्यक्तिगत दान माना जा रहा है। इससे पहले अंबानी परिवार ने मंदिर को ढाई करोड़ रुपये का दान दिया था। महिला ने वाराणसी मंडल के आयुक्त एस. राजलिंगम को ई-मेल के माध्यम से मंदिर में दान देने की इच्छा व्यक्त की थी और उनसे व्यक्तिगत रूप से मिलने का अनुरोध किया था।

इसके बाद अधिकारियों ने उनसे संपर्क स्थापित किया। महिला ने शुरूआत से ही अपनी पहचान गोपनीय रखने का आग्रह किया था। महिला अपने मैनेजर के साथ 12 जुलाई को मंडलायुक्त से मिलीं और तीन करोड़ रुपये के दो चेक उन्हें सौंपे। इसके अतिरिक्त उन्होंने 25-25 हजार रुपये के पांच अलग-अलग चेक भी दिए तथा इच्छा जताई कि इनकी राशि से प्रत्येक वर्ष श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में रुद्राभिषेक कराया जाए। दान की औपचारिकता पूरी करने के बाद महिला ने श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में विधिवत दर्शन-पूजन किया और बिना किसी प्रचार-प्रसार के वाराणसी से लौट गईं। मंदिर न्यास के अनुसार पिछले दो वर्षों में केवल अन्नक्षेत्र के लिए ही लगभग दो करोड़ रुपये का दान प्राप्त हुआ है। वर्ष 2026 में 50 हजार रुपये से अधिक दान देने वाले 16 श्रद्धालुओं ने अन्नक्षेत्र के लिए कुल 1.14 करोड़ रुपये का योगदान दिया है।

काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर के निर्माण से पहले मंदिर को प्रतिवर्ष लगभग 20 करोड़ रुपये का दान मिलता था, जो अब बढ़कर करीब 84 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। वर्ष 2022 में दक्षिण भारत के एक श्रद्धालु ने मंदिर को 60 किलोग्राम सोना भी दान किया था।

पंजाब से घर लौटे मजदूर की तालाब में डूबने से मौत

दरभंगा । दरभंगा जिले के सिंहवाड़ा थाना क्षेत्र के नगर पंचायत सिंहवाड़ा के वार्ड संख्या-8 स्थित जलेबिया मोड़ के समीप पदमौल तालाब में डूबने से एक मजदूर की मौत हो गई। मृतक 55 वर्षीय छोटू कहार है। जानकारी के अनुसार छोटू कहार पंजाब में धान रोपाई का कार्य करते थे। वह बुधवार की सुबह ही पंजाब से अपने घर लौटे थे। घर पहुंचने के बाद वह स्नान करने के लिए पदमौल तालाब गए। स्नान के दौरान गहरे पानी में पैर फिसल जाने से वह डूब गए।

कुछ देर बाद तालाब में एक महिला की नजर शव पर पड़ी, जिसके बाद स्थानीय लोगों को घटना की जानकारी हुई। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। सिंहवाड़ा थानाध्यक्ष बसंत कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से शव को तालाब से बाहर निकलवाया और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए डीएमसीएच, दरभंगा भेज दिया। वार्ड पार्षद देवनाथ चौपाल ने बताया कि छोटू कहार वर्षों से मजदूरी कर अपने परिवार काम भरण-पोषण करते थे।

होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव, ईरान जा रहे खाली तेल टैंकर ने किया नाकाबंदी का उल्लंघन

तेहरान/वाशिंगटन । ईरान के बंदरगाहों के खिलाफ की गई अमेरिका की नौसैनिक नाकाबंदी का असर दिखने लगा है। अमेरिका ने नाकाबंदी का उल्लंघन कर ईरान की तरफ बढ़ रहे एक खाली तेल टैंकर (जहाज) पर मिसाइलें दागकर उसे बेकार कर दिया। यही नहीं, नाकाबंदी लागू होने के पहले 24 घंटों के दौरान नियमों का पालन करने वाले दो वाणिज्यिक जहाजों को खतरे से आगाह करते हुए उनका रास्ता बदल दिया। अमेरिका ने ईरान के सैन्य और रणनीतिक केंद्रों पर भी हवाई हमले किए हैं। कई शहरों में भीषण धमाके हुए हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मध्य पूर्व के तनावपूर्ण हालात पर सिचुएशन रूम में शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक की है।

एबीसी न्यूज, सीएनएन और अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी मध्य कमान (सेंटकॉम) ने एक्स पर कहा कि ईरानी बंदरगाहों पर लगी अमेरिकी नाकाबंदी तोड़ने की कोशिश करने वाले खाली तेल टैंकर को बेकार कर दिया गया है।कुराकाओ के झंडे वाला टैंकर एमटी बेल्मा अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में खार्ग द्वीप की ओर जा रहा था। इस दौरान लगातार उसने चेतावनी को नजर अंदाज किया। एक अमेरिकी विमान ने जहाज की चिमनी (स्मोकस्टैक) पर हेलफायर मिसाइलें दागकर उसे बेकार कर दिया। खार्ग द्वीप ईरान के लिए आर्थिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण है ।

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.: ईएलडी-300-डब्ल्यूसी-13-2026-27, दिनांक 13.07.2026, वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/कर्षण वितरण, सियालदह, पूर्व रेलवे, कंट्रोल बिल्डिंग, प्रथम तल, डीआरएम कार्यालय, काइजर स्ट्रीट, सियालदह, कोलकाता-700014 द्वारा ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: **निविदा सं. : ईएलडी-300-डब्ल्यूसी-13-2026-27, कार्य का नाम :** सियालदह मंडल के एलकेपीआर-एनएमकेआर खंड में "कुलपी में पूरी लंबाई के कॉमन लूप लाइन के साथ नया ब्लॉक-स्टेशन" के संबंध में 25 केवी की डिजाइन, ड्रॉइंग, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण एवं आरंभ तथा संबंधित विद्युत कार्य। **निविदा मूल्य :** रु.1,10,25,020.10, **निविदा कागजात का मूल्य:** शून्य। **बयाना राशि :** रु.2,20,500/-, **समापन अवधि :** स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से 06 (छह) माह। **अंतिम तिथि :** दिनांक 11.08.2026 को 15.00 बजे। निविदा सूचना एवं समय-समय पर जारी संशोधनी का विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। SDAH-139/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : X @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

अदालती सूचना

न्यायालय,
श्रीमान सिविल जज (सीनियर डिवीज़न) प्रथम,
गया जी।

बटवारा वाद संख्या :- 117/2025

प्रियान्शू श्रीवास्तव उर्फ प्रियान्शू कुमार एवं अन्य ---------------- वादीगण

बनाम

मसोमात पूनम देवी एवं अन्य ---------------- प्रतिवादीगण

नोटिस बनाम

1.अमरेन्द्र कुमार पुत्र स्व0 रामबली शर्मा एवं 2. शिबू कुमार पुत्र स्व0 रामबली शर्मा दोनों निवासी ग्राम जमुरिया, आसनसोल, जिला आसनसोल (पश्चिम बंगाल)।

विदित हो कि उपरोक्त वादीगण ने एक **बटवारा वाद** का मुकदमा मेरे न्यायालय में आपलोगों के विरुद्ध लाया है जिसकी सूचना आपलोगों को नजारत के माध्यम से एवं निबंधित डाक के माध्यम से न्यायालय द्वारा पूर्व में भेजी जा चुकी है परंतु आपलोग उक्त मुकदमा में जान बूझकर उपस्थित नहीं हो रहे हैं।

अतः इस प्रकाशन के द्वारा आपलोगों को सूचित किया जाता है कि उक्त वाद में अगली तिथि दिनांक 18.07.2026 को समय 10:30 बजे सुबह खुद या वकालतन हाजिर होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें अन्यथा आपलोगों के विरुद्ध एकपक्षीय सुनवाई निश्चित कर दिया जायेगा।

इसे ताकीद जानें
मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर द्वारा जारी किया गया।

सिविल जज (सीनियर डिवीज़न) प्रथम,
गया जी।

Nagaland State Lotteries
DEAR
STAR THURSDAY WEEKLY LOTTERY
01:00 PM

Draw No:37 **Price ₹7/-** Draw Date on:16/07/26
1st Prize Amount For Winner ₹ 1 Crore + For Seller ₹ 5 Lakhs/- **93G 12209**
Cons. Prize Amount For Winner ₹ 1000/- + For Seller ₹ 500/- **12209**
(All Remaining Serial & Series of 1st Prize No.)
2nd Prize Amount For Winner ₹ 10,000/- + For Seller ₹ 500/-
14103 18266 19429 20911 31709
45750 45883 71959 73390 74992
3rd Prize Amount For Winner ₹ 500/- + For Seller ₹ 50/-
1738 2799 2872 4565 6613 7593 7811 8022 9592 9658
4th Prize Amount For Winner ₹ 250/- + For Seller ₹ 20/-
0665 0666 0978 2236 2739 5005 5298 7223 8837 9064
5th Prize Amount For Winner ₹ 120/- + For Seller ₹ 10/-

0317	1425	2615	3878	4634	5180	5893	7241	8254	8867
0405	1427	2646	3915	4658	5233	6192	7295	8404	8883
0425	1438	2673	3934	4694	5262	6228	7327	8407	8949
0513	1492	2711	3942	4748	5312	6309	7437	8443	9002
0543	1535	3047	4028	4854	5320	6514	7573	8458	9164
0591	1840	3436	4134	4869	5347	6710	7696	8573	9222
0827	1938	3472	4421	4880	5408	6754	7822	8637	9242
1056	2359	3590	4438	4898	5602	6874	7836	8671	9586
1372	2435	3602	4506	4917	5710	6890	7853	8789	9837
1412	2475	3756	4525	4961	5794	6918	8215	8799	9874

01:00 PM

Issued by : Director, Nagaland State Lotteries, Kohima
Watch Live Draw On : YouTube
nagalandlotteries.com/livedraw

Sikkim State Lotteries
DEAR
SUPREME THURSDAY WEEKLY LOTTERY
06:00 PM

Draw No:41 **Price ₹7/-** Draw Date on : 16/07/26
1st Prize Amount For Winner ₹ 1 Crore + For Seller ₹ 5 Lakhs/- **92E 82120**
SOLD BY : SELLER - RAMESH DAS - DURGAPUR & SUB-STOCKIST - BAM TARA LOTTERY AGENCY - DURGAPUR
Cons. Prize Amount For Winner ₹ 1000/- + For Seller ₹ 500/- **82120**
(All Remaining Serial & Series of 1st Prize No.)
2nd Prize Amount For Winner ₹ 10,000/- + For Seller ₹ 500/-
28712 43903 47559 53039 75141
76110 88670 89315 97114 98843
3rd Prize Amount For Winner ₹ 500/- + For Seller ₹ 50/-
0102 1209 2123 3828 4135 4255 5962 7045 7608 9530
4th Prize Amount For Winner ₹ 250/- + For Seller ₹ 20/-
1875 1914 2173 3344 4060 4664 5072 5579 6957 9018
5th Prize Amount For Winner ₹ 120/- + For Seller ₹ 10/-

0053	0902	2010	2887	4417	5834	6404	6961	8217	9472
0192	1020	2160	3091	4859	5865	6496	7065	8242	9485
0288	1033	2179	3445	4910	5868	6546	7193	8256	9495
0305	1075	2194	3677	5171	5931	6558	7371	8592	9502
0332	1089	2289	3694	5247	5966	6595	7552	8657	9508
0369	1183	2319	3809	5390	6000	6690	7730	8834	9583
0436	1420	2548	3812	5435	6085	6733	7788	9020	9660
0538	1794	2618	4147	5479	6095	6741	7809	9044	9728
0655	1821	2675	4248	5502	6278	6914	8059	9102	9818
0663	1978	2820	4365	5531	6325	6950	8142	9310	9954

06:00 PM

Issued by :The Principal Director, Sikkim State Lotteries, Gangtok
Watch Live Draw On : YouTube
sikkimlotteries.com/livedraw

Nagaland State Lotteries
DEAR
FAME THURSDAY WEEKLY LOTTERY
08:00 PM

Draw No:37 **Price ₹7/-** Draw Date on:16/07/26
1st Prize Amount For Winner ₹ 1 Crore + For Seller ₹ 5 Lakhs/- **56J 00845**
Cons. Prize Amount For Winner ₹ 1000/- + For Seller ₹ 500/- **00845**
(All Remaining Serial & Series of 1st Prize No.)
2nd Prize Amount For Winner ₹ 10,000/- + For Seller ₹ 500/-
14480 17329 35901 45178 55523
58678 63160 64164 84742 99468
3rd Prize Amount For Winner ₹ 500/- + For Seller ₹ 50/-
0419 1599 3005 4138 5221 6538 7717 8487 9050 9941
4th Prize Amount For Winner ₹ 250/- + For Seller ₹ 20/-
2232 2625 5423 6170 7392 7889 8008 8491 8816 9449
5th Prize Amount For Winner ₹ 120/- + For Seller ₹ 10/-

0007	0772	2342	3093	4160	5319	6078	6782	7790	8725
0038	1048	2379	3350	4202	5320	6147	6962	7819	8973
0064	1120	2491	3352	4273	5435	6234	7040	7925	9036
0214	1249	2512	3488	4315	5439	6272	7095	7972	9102
0226	1474	2555	3532	4395	5453	6419	7293	8066	9122
0279	1598	2622	3647	4548	5631	6489	7298	8087	9231
0348	1775	2742	3658	4567	5657	6510	7318	8279	9532
0588	1845	2768	3687	4872	5809	6616	7399	8424	9744
0670	2019	2832	3941	5024	5843	6643	7514	8516	9852
0765	2195	2848	4020	5190	5902	6712	7735	8566	9855

08:00 PM

Issued by : Director, Nagaland State Lotteries, Kohima
Watch Live Draw On : YouTube
nagalandlotteries.com/livedraw

* TDS 2% UNDER SECTION 393(3) IT ACT 2025 SHALL BE DEDUCTED ON SELLERS PRIZE AMOUNT W.E.F. 01.04.2026
PLEASE CHECK THE RESULTS WITH RELEVENT OFFICIAL GOVERNMENT GAZATTE

Registered No. KOL. RMS/350/2015-17
प्रथम प्रकाशन 1878
भारतमित्र

स्मिथ-गौस के शतक से जीता वाशिंगटन फ्रीडम

टूटा पंजाब किंग्स का रिकॉर्ड; पूरन-पोलार्ड की पारी बेकार, MI न्यूयॉर्क बाहर

नई दिल्ली। मेजर लीग क्रिकेट 2026 का एलिमिनेटर मुकाबला वाशिंगटन फ्रीडम और एमआई न्यूयॉर्क के बीच खेला गया। इस मैच में वाशिंगटन फ्रीडम ने कप्तान स्टीव स्मिथ और एंड्रिस गौस की शतकीय पारी के दम पर एमआई न्यूयॉर्क को 6 विकेट से हरा दिया और चैलेंजर राउंड में जगह बना ली जहां उसका मुकाबला सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स से होगा।

इस मैच में जीतने वाली टीम फाइनल में पहुंच जाएगी। इस मैच में वाशिंगटन फ्रीडम ने टी20 इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर चेज किया और पंजाब किंग्स का रिकॉर्ड टूट गया। वाशिंगटन फ्रीडम और एमआई न्यूयॉर्क के बीच खेला गया काफी रोमांचक और हाई स्कोरिंग रहा। इस मैच में वाशिंगटन फ्रीडम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था।

स्टीव स्मिथ और गौस ने लगाए शतक

वाशिंगटन फ्रीडम को जीत के लिए 267 रन का टारगेट मिला था जो काफी मुश्किल था, लेकिन इस टीम के लिए कप्तान स्टीव स्मिथ ने 48 गेंदों पर 9 छक्के और 7 चौकों के साथ नाबाद 110 रन की पारी खेली। स्मिथ ने अपना शतक इस दौरान 40 गेंदों पर पूरा किया। वहीं एंड्रिस गौस ने 12 छक्के और 10 चौकों की मदद से 51 गेंदों पर 132 रन की पारी खेलकर टीम की जीत सुनिश्चित कर दी। स्मिथ और गौस के बीच तीसरे विकेट के लिए 89 गेंदों पर 241 रन की साझेदारी भी हुई। एमआई न्यूयॉर्क के लिए शाकिब अल हसन ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए।

लक्ष्य ने श्रीलंका के खिलाफ लगाया दोहरा शतक

295 रन की साझेदारी कर तोड़ा 29 साल पुराना रिकॉर्ड

नई दिल्ली। श्रीलंका अंडर 19 टीम के खिलाफ पहले अनाधिकारिक टेस्ट मैच की पहली पारी में इंडिया अंडर 19 टीम के ओपनर बल्लेबाज लक्ष्य राजेश रायचंदानी ने गजब का पारी खेली और दोहरा शतक लगाया। उन्होंने पहली पारी में सागर विर्क के साथ पहले विकेट के लिए 295 रन की साझेदारी की और 29 साल पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ा जो यूथ टेस्ट में जिम्बाब्वे के बल्लेबाजों ने बनाए थे। हालांकि लक्ष्य और सागर, गौतम गंभीर और विनायक माने से आगे नहीं निकल पाए।

लक्ष्य ने लगाया दोहरा शतक- लक्ष्य ने इस मैच में गजब की पारी खेली और इंडिया अंडर 19 की पारी को संभालने का काम किया। उन्होंने अपना शतक पहली पारी में 148 गेंदों पर चौका लगाकर पूरा किया जबकि उन्होंने अपना दोहरा शतक 310 गेंदों पर लगाया। हालांकि दोहरा शतक पूरा करने के बाद वो ज्यादा देर तक क्रीज पर टिक नहीं पाए और आउट हो गए। पहली पारी में उन्होंने 324 गेंदों पर 207 रन बनाए और इस दौरान उनके बल्ले से 3 छक्के और 22 चौके भी निकले।

पोलार्ड अब गेल की लिस्ट में शामिल

T20 में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले टॉप-10 बैटर, सिर्फ एक भारतीय सूची में शामिल

नई दिल्ली। मेजर लीग क्रिकेट 2026 के एलिमिनेटर मुकाबले में एमआई न्यूयॉर्क के कप्तान किरोन पोलार्ड ने बेहद तेज पारी खेली और वॉशिंगटन फ्रीडम के खिलाफ 8 छक्के और एक चौके की मदद से 64 रन बनाए। ये उनके टी20 क्रिकेट करियर का 70वां अर्धशतक था साथ ही इन 8 छक्कों के दम पर किरोन पोलार्ड ने अब क्रिस गेल की खास लिस्ट में भी जगह बना ली।

किरोन पोलार्ड ने टी20 में पूरे किए 1000 छक्के- किरोन पोलार्ड अब टी20 प्रारूप में 1000 या उससे ज्यादा छक्के लगाने वाले दुनिया के दूसरे बल्लेबाज बन गए। इस लिस्ट में पहले अकेले सिर्फ क्रिस गेल ही थे, लेकिन अब पोलार्ड ने उन्हें ज्वाइन कर लिया है। क्रिस गेल ने अपने टी20 क्रिकेट करियर में खेले 463 मैचों की 455 पारियों में कुल 1056 छक्के लगाए थे। वहीं पोलार्ड की बात करें तो वो सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं और उन्होंने 746 मैचों की 663 पारियों में कुल 1001 छक्के लगाए हैं। टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर आंद्र रसेल हैं जिन्होंने 600 मैचों की 517 पारियों में 792 छक्के लगाए थे। वहीं निकोलस पूरन इस लिस्ट में चौथे नंबर पर हैं।

रोहित शर्मा- राहुल द्रविड़ 5वे नंबर पर

टॉप पर रहे ये दोनों; आकाश चोपड़ा ने चुनी 6 बेस्ट कप्तान-कोच की जोड़ी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ओपनर बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने कप्तान-कोच की बेस्ट टॉप-6 जोड़ियों का चयन किया। उन्होंने इनके प्रदर्शन के आधार पर रैंकिंग की, लेकिन पहले नंबर पर उन्होंने किसी भारतीय कोच या कप्तान की जोड़ी को नहीं रखा। हालांकि टॉप-6 में उन्होंने 3 भारतीय

जोड़ी को जरूर जगह दी। इन जोड़ियों में रोहित शर्मा-राहुल द्रविड़, विराट कोहली-रवि शास्त्री, सौरव गांगुली और जॉन राइट भी शामिल हैं। आइए जानते हैं कि आकाश चोपड़ा ने किस जोड़ी को किस स्थान पर रखा।

रोहित शर्मा-राहुल द्रविड़ रहे पांचवें स्थान पर- आकाश चोपड़ा ने अपने इंस्टाग्राम पर दुनिया की बेस्ट टॉप-6 कोच-कप्तान की जोड़ी के बारे में बात करते हुए बताया कि उनकी लिस्ट में छठे नंबर पर बेन स्टोक्स और ब्रैंडन मैकुलम हैं जिन्होंने बैजबॉल क्रिकेट खेली। ये मनोरंजक तो था, लेकिन इससे रिजल्ट अच्छे नहीं आ पाए। ऐसे में जब परिणाम नहीं है तो ये फिर क्या ही आपकी साझेदारी का प्रमाण है। आकाश ने नंबर 5 पर रोहित शर्मा और राहुल द्रविड़ की जोड़ी को रखा। रोहित और राहुल के बारे में आकाश ने कहा कि इनकी साझेदारी काफी अच्छी रही और इस जोड़ी ने टी20 वर्ल्ड कप टाइटल भी जीता।

वैभव, अभिषेक, पंत का रिकॉर्ड एक साथ टूटा

- निकोलस पूरन ने ठोका तूफानी शतक, लगाए 13 छक्के 5 चौके

नई दिल्ली। एमआई न्यूयॉर्क के बल्लेबाज निकोलस पूरन ने मेजर लीग क्रिकेट 2026 के एलिमिनेटर मुकाबले में वाशिंगटन फ्रीडम के खिलाफ तूफानी शतकीय पारी खेलते हुए वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा और ऋषभ पंत का रिकॉर्ड एक साथ तोड़ दिया। पूरन ने इस मैच में अपना शतक 31 गेंदों पर पूरा किया और इन तीनों दिग्गजों से टी20 क्रिकेट में कम गेंदों पर शतक लगाने के मामले में आगे निकल गए।

निकोलस पूरन ने तोड़ा वैभव, अभिषेक, पंत का रिकॉर्ड- निकोलस पूरन ने एमआई न्यूयॉर्क के लिए तीसरे नंबर पर बैटिंग करते हुए वाशिंगटन फ्रीडम के खिलाफ अपना शतक 31 गेंदों पर पूरा किया और इस मैच में 33 गेंदों पर 106 रन की पारी खेली। पूरन ने अपनी पारी के दौरान 13 छक्के और 5 चौके लगाए और उनका स्ट्राइक रेट 321.21 का रहा। पूरन की इस पारी के दम पर इस टीम ने वाशिंगटन फ्रीडम के खिलाफ 20 ओवर में 9 विकेट पर 266 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। 31 गेंदों पर शतक लगातर पूरन ने एक साथ वैभव, अभिषेक, पंत का रिकॉर्ड तोड़ दिया। वैभव, अभिषेक और ऋषभ पंत ने टी20 क्रिकेट में 32-32 गेंदों पर शतक लगाने का कमाल किया है, लेकिन पूरन ने ऐसा 31 गेंदों पर किया और इन तीनों से आगे निकल गए। वहीं पूरन ने उर्विल पटेल की बराबरी कर ली जिन्होंने 31 गेंदों पर टी20 प्रारूप में शतक लगाया था। निकोलस पूरन अब टी20 में सबसे कम गेंदों पर शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में उर्विल पटेल के साथ संयुक्त रूप से 5वें नंबर पर आ गए। तो वहीं वैभव, अभिषेक और पंत इस लिस्ट में छठे नंबर पर एक साथ मौजूद हैं।

पीवी सिंधु ने सिर्फ 35 मिनट में दुनिया की 5वें नंबर की शटलर को हराया

क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने गुरुवार 16 जुलाई 2026 को जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। पीवी सिंधु ने प्री-क्वार्टर फाइनल में सीधे गेम में दुनिया की पांचवें नंबर की खिलाड़ी चीन की हान यू को हराया। पीवी सिंधु की मौजूदा बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग (विमेंस सिंगल्स) में 10 है।

भारतीय शटलर ने दूसरे दौर के मुकाबले में बेहतर रैंकिंग वाली चीनी खिलाड़ी के खिलाफ 21-16, 21-14 से शानदार जीत दर्ज करने में सिर्फ 35 मिनट का समय लिया। जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में पीवी सिंधु को कोई वरीयता नहीं दी गई है। यह नतीजा इस सीजन में पीवी सिंधु के सबसे शानदार प्रदर्शनों में से एक रहा। पूर्व वर्ल्ड चैंपियन ने शुरुआती चुनौती निपटते हुए चीनी खिलाड़ी पर पूरी तरह से दबदबा बना लिया।

पीवी सिंधु ने धीरे-धीरे बनाया दबदबा- शुरुआत में कड़ा मुकाबला देखने को मिला, क्योंकि हान यू खेल की गति को नियंत्रित करने की कोशिश कर रही थीं, लेकिन पीवी सिंधु धीरे-धीरे मैच में जम गईं। एक बार लय में आने के बाद भारतीय खिलाड़ी ने सटीक शॉट प्लेसमेंट और बेसलाइन से ज्यादा आक्रामकता के साथ रैलियों पर नियंत्रण करना शुरू कर दिया। पीवी सिंधु ने शटल को अच्छे से हिट किया और बढ़त बनाने के लिए रैलियों पर अपना दबदबा बनाया। बेहतर निरंतरता की वजह से वह पहले गेम के अंतिम क्षणों में बढ़त बनाने में सफल रहीं और 21-16 से गेम अपने नाम किया। कोर्ट बदलने के बाद चीनी खिलाड़ी की वापसी की उम्मीदें जल्द ही खत्म हो गईं।

डियर साप्ताहिक लॉटरी
जलपाईगुड़ी निवासी ने ₹ 1 करोड़ जीते

जलपाईगुड़ी, पश्चिम बंगाल से श्री अजिमुल इस्लाम ने **09.05.2026** को सम्पन्न हुए डियर साप्ताहिक लॉटरी के ड्रॉ में प्रथम पुरस्कार के तौर पर ₹ 1 करोड़ जीते हैं। उनकी विजेता टिकट का नंबर **3 4 L 28110** है। उन्होंने कोलकाता स्थित नागालैंड स्टेट लॉटरीज के नोडल अधिकारी के पास प्राइज क्लेम फॉर्म के साथ अपनी पुरस्कार-विजेता टिकट जमा कर दी है। "डियर लॉटरी ने मुझे आर्थिक प्रवाह से जुड़े मामलों के संबंध में अपने सभी सपने पूरे करने का एक अवसर दिया है। डियर लॉटरी से पुरस्कार राशि के एक करोड़ रुपए जीतने के बाद, मैंने कभी सोचा नहीं था कि मेरे निजी सपने भी ऐसे ही पूरे हो सकते हैं," विजेता ने कहा।

*विजेता का विवरण सरकारी वेबसाइट से लिया गया है।

NAGALAND STATE LOTTERIES
DEAR RATHAYATRA BUMPER 2026 LOTTERY
प्रथम पुरस्कार विजेता के लिए राशि
टिकट मूल्य ₹500
ड्रॉ दिनांक 18.07.2026 6 PM Onwards
₹ 3 करोड़ गारंटीड
Seller Prize Amount : ₹25 LAKHS
प्रथम पुरस्कार केवल बिक्री की गयी टिकटों में से ही निकाली जायेगी।
Sub-Stockist Prize Amount : ₹10 LAKHS
द्वितीय पुरस्कार राशि विजेताओं के लिए ₹10 लाख
Seller Prize Amount : ₹1,00,000
Sub-Stockist Prize Amount : ₹50,000
तृतीय पुरस्कार राशि विजेताओं के लिए ₹5 लाख
Seller Prize Amount : ₹50,000
Sub-Stockist Prize Amount : ₹20,000
कई अन्य आकर्षक पुरस्कार जीतें

Rank	No. of Prizes	Prize Amount for Winners ₹	Prize Amount for Sellers ₹	Prize Amount for Sub-Stockist ₹	Draw Method
1	1	3,00,00,000	25,00,000	10,00,000	On 1 time - on 6 digits
2	1	10,00,000	1,00,000	50,000	On 1 time - on 6 digits
3	1	5,00,000	50,000	20,000	On 1 time - on 6 digits
4	500	9,000	1,000	100	On 10 times - on last 4 digits
5	500	5,000	500	50	On 10 times - on last 4 digits
6	500	3,000	300	20	On 10 times - on last 4 digits
7	25,000	1,000	100	10	On 500 times - on last 4 digits

★TDS 2% UNDER SECTION 393(3) IT ACT 2025 SHALL BE DEDUCTED ON SELLERS PRIZE AMOUNT W.E.F. 01.04.2026

₹ 3 करोड़ के हालिया विजेता

DEAR MAHASHIVRATRI BUMPER — Mr. MOHINDER SINGH — Draw Date : 21.02.2026 — Ticket No. 736121
DEAR SPECIAL BUMPER — Mrs. MAHESRI SAHANI — Draw Date : 22.11.2025 — Ticket No. 711665
DEAR PUJA BUMPER — Mr. DENNIS IGNATIUS FERNANDO — Draw Date : 11.10.2025 — Ticket No. A 907960
DEAR RATHAYATRA BUMPER — Mr. SAMSUL HAQUE — Draw Date : 19.07.2025 — Ticket No. 998635
DEAR PUJA SPECIAL BUMPER — Mr. MANIK ROY — Draw Date : 15.10.2022 — Ticket No. B 378192

LIVE STREAMING WATCH LIVE DRAW in YOUTUBE
पूछताछ के लिए, कॉल करें (टोल फ्री) : 1800 103 6711 (पश्चिम बंगाल)

स्वत्वाधिकारी एल.एस. पब्लिकेशन्स प्रा.लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक ममता वाजपेयी द्वारा 4, केनाल वेस्ट रोड, कोलकाता-15 से मुद्रित एवं प्रकाशित। प्रेरक संपादकः राजेन्द्र नारायण वाजपेयी। **संपादकः रितेश वाजपेयी।**
Phone : 2236-1572, 4800 9234, E-mail - bharatmitra1@gmail.com, Fax No.- 033-2215-1533, **हवाई शुल्कः** अगरतला 6 रुपये, गुवाहाटी 5 रुपये, पोर्टब्लेयर 8 रुपये। प्रकाशन से उत्पन्न सभी विवाद कलकत्ता उच्च न्यायालय के अधीन